mediaauditornews@gmailcom Epaperdainikmediaauditorin वर्ष-06 अंक-136 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
18 मई 2026 सोमवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

## बंगाल सरकार की नियमों में सख्ती, कोलकाता का इकलौता बूचड़खाना संकट में: ताजा मांस की आपूर्ति ठप

**नई दिल्ली,एजेंसी।** पश्चिम बंगाल में नई भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद प्रशासन ने पुराने कानूनों को सख्ती से लागू करना शुरू कर दिया है। इसके चलते कोलकाता के एकमात्र बूचड़खाने (तांगरा स्लॉटर हाउस) में गुरुवार से ताजे पशुओं की आपूर्ति पूरी तरह बंद हो गई है।

बूचड़खाने के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि फिलहाल परिसर में 180 से ज्यादा पशु रखे हुए हैं, लेकिन सख्त सरकारी मानदंडों को पूरा न करने के कारण केवल 22 पशुओं को ही वध की अनुमति दी गई है। पहले यहां रोजाना 150 से 200 पशुओं का वध होता था, जो कभी-कभी 250 तक भी पहुंच जाता था।

**क्या कहता है कानून** बुधवार को जारी अधिसूचना में पश्चिम बंगाल पशु वध नियंत्रण अधिनियम, 1950 और कलकत्ता उच्च न्यायालय के 2018 के आदेश का हवाला दिया गया है। आदेश के अनुसार, बिना वैध स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र के किसी भी पशु का वध नहीं किया जा सकता।

प्रमाण-पत्र केवल कोलकाता नगर निगम के अध्यक्ष या संबंधित पंचायत समिति के सभापति और सरकारी पशु चिकित्सक द्वारा संयुक्त रूप से जारी किया जा सकता है।

## कुआलालंपुर एयरवेज की फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

### नीदरलैंड से हैदराबाद आ रही थी, एयरपोर्ट हाईअलर्ट पर; 4 दिन में तीसरी घटना

**हैदराबाद,एजेंसी।** हैदराबाद एयरपोर्ट पर नीदरलैंड से आ रही कुआलालंपुर एयरवेज की एक फ्लाइट को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। धमकी के बाद से पूरा हैदराबाद एयरपोर्ट हाई अलर्ट पर है। मेल में दावा किया गया कि प्लेन में बम है, जो कभी भी फट सकता है। हालांकि फ्लाइट सुरक्षित हैदराबाद पहुंच गई।

इससे पहले शुक्रवार शाम 6:30 बजे हैदराबाद एयरपोर्ट पर बम की धमकी का एक ईमेल मिला था। जिसके बाद पूरे एयरपोर्ट की जांच हुई थी। इसमें कहा गया था कि मलेशिया से हैदराबाद आने वाली एयरएशिया की एक फ्लाइट को उसके पहुंचने से पहले ही बम से उड़ा दिया जाएगा।

**4 दिन में तीसरी धमकी:** गुरुवार को जर्मनी के फ्रैंकफर्ट से हैदराबाद आने वाली लुफ्थांसा फ्लाइट को लेकर भी एसी ही धमकी दी गई थी। यानी ये 4 दिन में तीसरी धमकी है। जिसके बाद से एयरपोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई हैं हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर जनवरी में भी बम धमाके की धमकी मिली थी। ये धमकी शारजाह से आ रही इंडिगो फ्लाइट 6E 1422 के लिए थी।

## कांगो में इबोला वायरस से 80 मौतें, 246 संदिग्ध केस

### डब्ल्यूएचओ ने ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित की; युगांडा-सूडान में अलर्ट, केन्या ने भी निगरानी बढ़ाई

**किंशासो,एजेंसी।**कांगो के पूर्वी इटुरी प्रांत में इबोला से अब तक 80 लोगों की मौत हो चुकी है। 246 संदिग्ध मामले सामने आए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने इसे ग्लोबल हेल्थ इमरजेंसी घोषित किया है। हालांकि, WHO का कहना है कि यह महामारी की कैटेगरी में नहीं आता है।

कांगो के स्वास्थ्य मंत्री सैमुअल-रोजर कंबा के मुताबिक, पहला मामला एक नर्स का माना जा रहा है, जिसकी 24 अप्रैल को मौत हुई थी। जांच में अब तक इबोला के बुंडीबुग्यो स्ट्रेन के 8 मामलों की पुष्टि हुई है।

बीमारी फिलहाल इतुरी प्रांत के बुनीया, रवामपारा और मोंगवालू इलाकों तक पहुंच चुकी है।

कांगो में 1976 में पहली बार इबोला सामने आया था। यह देश में इसका 17वां मामला है।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, इस बार इबोला का बुंडीबुग्यो स्ट्रेन मिला है, जबकि कांगो में पहले ज्यादातर मामले जायरे स्ट्रेन के रहे हैं।

## किराएदार ने मकान मालिक से पत्नी-बेटी का रेप कराया

### छह महीने से बेरोजगार,2000 किराया नहीं दे पा रहा था; 2 आरोपी गिरफ्तार

**मोरबी,एजेंसी।** गुजरात के मोरबी में किराएदार ने किराया नहीं चुका पाने पर मकान मालिक को अपनी पत्नी और नाबालिग बेटी के साथ रेप की इजाजत दे दी। पुलिस ने महिला की शिकायत पर शनिवार को किराएदार और मकान मालिक को गिरफ्तार किया है।पुलिस के मुताबिक, परिवार करीब छह महीने पहले काम की तलाश में मोरबी आया था। उन्होंने 2 हजार रुपए महीने पर किराए का घर लिया था। आर्थिक तंगी के कारण परिवार नियमित रूप से किराया नहीं दे पा रहा था।आरोप है कि मकान मालिक ने बकाया किराया माफ करने के बदले महिला से यौन संबंध बनाने की मांग की। पति इसके लिए तैयार हो गया। इसके बाद मकान मालिक ने महिला के साथ कई बार रेप किया।

**नाबालिग बेटी को भी प्रताड़ित किया:** किराएदार की पत्नी के बाद मकान मालिक ने उसकी नाबालिग बेटी को भी निशाना बनाया। किराएदार ने इसके लिए भी सहमति दे दी। आरोप है कि बच्ची को अलग-अलग जगहों पर ले जाकर मकान मालिक और एक अन्य आरोपी ने उसका यौन शोषण किया।

## सरकार बोली: चुनाव आयुक्त के चयन पैनल में जज जरूरी नहीं

### सुप्रीम कोर्ट से कहा- संविधान में ऐसा प्रावधान नहीं, जज को शामिल करना संसद का फैसला

**नई दिल्ली,एजेंसी।**केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि चुनाव आयोग (EC) के मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करने वाली समिति में जज का होना जरूरी नहीं है। संविधान में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है।

केंद्र ने कहा कि किसी जज को चयन समिति में शामिल करना संसद का फैसला हो सकता है, लेकिन इसे संवैधानिक मजबूरी

नहीं माना जा सकता।कोर्ट में 'मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023' को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई चल रही थी।इस कानून के मुताबिक, CEC और श्ष्ट की नियुक्ति के लिए प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और एक केंद्रीय मंत्री वाली समिति करेगी। पहले सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम व्यवस्था में इसमें भारत के CJI को भी शामिल किया था।

**2023 में सुप्रीम कोर्ट ने CJI वाली समिति बनाई थी:**मार्च 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में कहा था कि जब तक संसद इस पर कानून नहीं बनाती, तब तक मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और CJI वाली समिति की सिफारिश पर होगी।इसके बाद केंद्र सरकार नया कानून लेकर आई। यह कानून 2 जनवरी 2024 से लागू हुआ।

## 20 हजार टन एलपीजी लेकर गुजरात पहुंचा जहाज 'सिमी', 13 मई को पार किया था होर्मुज

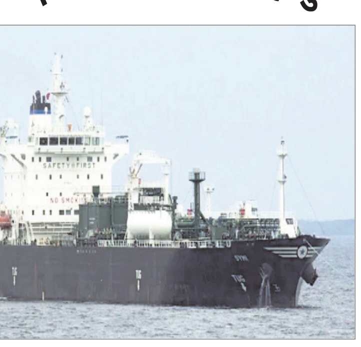

**नई दिल्ली,एजेंसी।** पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के बीच 20 हजार टन एलपीजी लेकर 'सिमी' कैरियर कांडला के दीनदयाल पोर्ट पर सुरक्षित रूप से पहुंच गया है। इस जहाज ने 13 मई को होर्मुज स्ट्रेट को पार किया था। इस जहाज पर 21 क्रू सदस्य सवार हैं, जिनमें आठ यूक्रेनी और 13 फिलिपीनी हैं। मौजूदा निगरानी वाले ऑपरेशन्स में होर्मुज स्ट्रेट को पार करने वाला 'सिमी' 11वां एलपीजी टैंकर था।

**होर्मुज में तनाव के बीच सुरक्षित कैसे पहुंचा जहाज** अधिकारियों के मुताबिक, डीजी शिपिंग और विदेश मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और पेट्रोलियम- प्राकृतिक गैस मंत्रालय के बीच करीबी तालमेल से इतनी सुरक्षा मुमकिन हो पाई।

**कच्चे तेल का भंडार घटा :**ये जहाज ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव बना हुआ है।

## अंटार्कटिका महाद्वीप से जुड़ा था भारत, आंध्रप्रदेश में हुई एक स्टडी में चौंकाने वाला खुलासा

**दिल्ली,एजेंसी।** जरा सोचिए, आप आंध्र प्रदेश या ओडिशा के खूबसूरत पूर्वी घाट पर घूम रहे हों और आगे बढ़ते ही अचानक आपके सामने बंगाल की खाड़ी के बजाय अंटार्कटिका के विशाल, बर्फीले पहाड़ आ जाएं। आज भले ही यह किसी हॉलीवुड फिल्म की कल्पना लगे, लेकिन करोड़ों साल पहले हमारी धरती का भूगोल हूबहू ऐसा ही था।

दशकों से दुनिया भर के भूविज्ञानी ग्लोब और महाद्वीपों के नक्शों को देखकर यह अनुमान लगा रहे थे कि भारत और अंटार्कटिका कभी एक ही विशाल पहेली के दो टुकड़े थे। अब, भारतीय वैज्ञानिकों ने आंध्र प्रदेश से एक ऐसा 'ठोस और अकाट्य सबूत' खोज निकाला है, जिसने इस थ्योरी पर मुहर लगा दी है।

नई खोज से यह साबित होता है कि भारत और अंटार्कटिका कभी भौतिक रूप से एक साथ जुड़े हुए थे और एक विशाल पर्वत श्रृंखला बनाते थे, जिसे 'रेनर-पूर्वी घाट ओरोजेन' के नाम से जाना जाता है, जो लोग इस बारे में नहीं जानते, उनके लिए बता दें कि 'रेनर प्रांत' आज के पूर्वी अंटार्कटिका में स्थित है।

**कई देशों के शोधकर्ता हुए शामिल:**शोधकर्ताओं ने पाया कि इन दोनों क्षेत्रों की चट्टानों की उम्र, रासायनिक निशान और खनिज संरचना एक जैसी है। उन्होंने यह भी पाया कि इन चट्टानों ने भूवैज्ञानिक इतिहास के उन्हीं तीन चरणों को पार किया है, जिससे इस बात का पुख्ता सबूत मिलता है कि पूर्वी भारत और पूर्वी अंटार्कटिका लाखों साल पहले अलग होने से पहले आपस में जुड़े हुए थे।इस शोध टीम में प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी, कोलकाता के शुभदीप रॉय, शंकर बोस, सायंतिका घोष, स्नेहा मुखर्जी, निलंजना सरकार और जे अमल देव, क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, ऑस्ट्रेलिया, नेशनल सेंटर फॉर अर्थ साइंस स्टडीज़, तिरुवनंतपुरम और कोरिया पोलर रिसर्च इंस्टीट्यूट, रिपब्लिक ऑफ कोरिया के शोधकर्ता शामिल थे।

स्टडी के दौरान शोधकर्ताओं ने 'ग्रैनुलाइट्स' नामक चट्टानों का अध्ययन किया।

### जिरकॉन में अधिक गर्मी और दबाव झेलने की झमता:

भूविज्ञान विभाग के फैकल्टी सदस्य ने बताया, 'खास बात यह है कि जिरकॉन अपनी जबरदस्त गर्मी और दबाव झेलने की क्षमता के लिए मशहूर है, जो दूसरे खनिजों को पूरी तरह खत्म कर सकती है। अपनी इसी मजबूत बनावट की वजह से, ज़िरकॉन इन चट्टानों के अंदर एक छोटे 'टाइम कैप्सूल' का काम करता है। 'उन्होंने कहा, 'जिरकॉन क्रिस्टल के अंदर मौजूद यूरेनियम और लेड जैसे रेडियोएक्टिव तत्वों के क्षय की मदद से हम एक विस्तृत टाइमलाइन तैयार कर पाए, जिससे उन घटनाओं की सटीक जानकारी मिली जो करोड़ों से लेकर अरबों साल पहले पूर्वी घाट इलाके में घटी थीं। '

## त्रिवेंद्रम-दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस के 2 कोच में आग लगी

### गार्ड ने लोको पायलट को सूचना दी, 15 मिनट में 68 यात्री बाहर निकाले; सभी सुरक्षित

**कोटा,एजेंसी।**कोटा मंडल में त्रिवेंद्रम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस (12431) के 2 कोच में आग लग गई। हादसा रविवार सुबह करीब 5.15 बजे कोटा मंडल के लूणी रीछा-विक्रमगढ़ आलोट (मध्य प्रदेश) स्टेशन के बीच हुआ।

आग ट्रेन के कोच नंबर क्र1 और उसके पीछे लगे सेकेंड लगेज कम गार्ड वैन में लगी थी। हादसे की जानकारी के बाद कोटा जंक्शन पर हूटर बजने लगे। राहत और बचाव टीम मौके के लिए रवाना हुई।

सीनियर डिवीजनल कॉमर्शियल मैनेजर सौरभ जैन ने बताया कि कोच में 68 यात्री सवार थे। आग लगने की खबर गार्ड ने सबसे पहले लोको पायलट को दी थी। इसके बाद ट्रेन को रुकवाया गया।

पैसेंजर्स को बाहर निकाला। करीब 15 मिनट में पूरा कोच खाली कराया गया। कुछ मिनटों में ही आग पूरे कोच में फैल गई थी। हालांकि, इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि कुछ पैसेंजर्स का सामान आग में जल गया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

### कोटा पहुंचने से पहले हादसा

त्रिवेंद्रम राजधानी रविवार सुबह करीब 3.45 बजे मध्य प्रदेश के रतलाम जंक्शन से रवाना हुई थी। इसका अगला स्टॉप सुबह 8.45 बजे कोटा जंक्शन था। राजस्थान में एंट्री से पहले विक्रमगढ़ आलोट स्टेशन के पास एसी कोच में आग लग गई। कुछ मिनटों बाद आगे पीछे के लगेज कोच तक पहुंच गई। यहां रखा पैसेंजर्स का सामान आग में जल गया। इस कोच में कोई यात्री नहीं था।

## जयपुर-भोपाल समेत 19 शहरों में हीट एक्शन प्लान अधूरा

### 20 शहरों में सिर्फ अहमदाबाद में लागू

### 2025 में 40 हजार केस, 110 मौतें

**नई दिल्ली,एजेंसी।**शहरों को गर्मी से बचाने के लिए बनाया गया हीट एक्शन प्लान ज्यादातर शहरों में प्याऊ लगाने, एडवाइजरी जारी करने और अस्पतालों में अस्थायी इंतजाम तक सीमित है।

2016 में सरकार ने पहले चरण में दिल्ली, अहमदाबाद, इंदौर, भोपाल, जयपुर और चेन्नई समेत 20 शहरों के लिए यह योजना शुरू की थी। मकसद था कि लू के असर को कम किया जा सके और गर्मी के दौरान सामान्य कामकाज बना रहे।

अहमदाबाद को छोड़कर ज्यादातर शहरों में कूल रूफ, ग्रीन कवर बढ़ाने और गर्मी के लिहाज से संवेदनशील इलाकों की पहचान जैसे कदमों पर काम नहीं हुआ। 2024 में हीट स्ट्रोक के 25 हजार मामले और 56 मौतें दर्ज हुई थीं। 2025 में यह आंकड़ा बढ़कर 40 हजार केस और 110 मौतों तक पहुंच गया। 2026 में महाराष्ट्र अकेले अब तक 236 केस और 6 मौतें दर्ज कर चुका है।

### 'लू' घोषित करने के नियम बदलने की तैयारी

बढ़ती गर्मी और अल नीनो के असर को देखते हुए भारतीय मौसम विभाग लू घोषित करने के मानकों में बदलाव की तैयारी में है। अभी लू घोषित करने के नियम सिर्फ तापमान पर आधारित हैं, जो केरल जैसे तटीय राज्यों के लिए पूरी तरह सटीक नहीं माने जाते। नए मानकों में उमस और हीट स्ट्रेस को भी शामिल किया जा सकता है। इससे उन इलाकों में भी सटीक चेतावनी दी जा सकेगी, जहां तापमान अपेक्षाकृत कम होने के बावजूद गर्मी का असर ज्यादा होता है।

## राहुल-प्रियंका और खरगे के खिलाफ लगे पोस्टर

### कांग्रेस दफ्तर की दीवार पर लिखा- वायनाड बनेगा अगला अमेठी

**वायनाड,एजेंसी।**केरल के वायनाड में कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं को निशाना बनाने वाले पोस्टर मिलने के बाद पुलिस ने केस दर्ज किया है। अधिकारियों ने रविवार को इस घटना की जानकारी दी। ये पोस्टर राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ लगाए गए थे। ये पोस्टर वायनाड में जिला कांग्रेस कमेटी (DCC) कार्यालय की दीवारों और उसके पास के इलाकों में लगाए गए थे।

**क्या बोली पुलिस**

कलपेट्टा पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने बताया कि विधायक टी सिद्दीकी ने इस मामले में पुलिस को शिकायत दी थी। उनकी शिकायत के आधार पर ही मामला दर्ज किया गया है। एफआईआर के मुताबिक, ये पोस्टर 13 मई को सामने आए थे। उस समय केरल के अगले मुख्यमंत्री के चुनाव को लेकर असमंजस और अनिश्चितता की स्थिति बनी हुई थी।।

## धार भोजशाला में नई गाइडलाइन के बाद शुरू हुई पूजा-अर्चना

### गोमूत्र से शुद्धिकरण कर गर्भगृह में मां वाग्देवी की महाआरती, श्रद्धालुओं में उत्साह

**धार,एजेंसी।**धार की ऐतिहासिक भोजशाला में एएसआई की नई गाइडलाइन लागू होने के बाद पूजा-अर्चना शुरू हो गई। आज (रविवार) सुबह बड़ी संख्या में हिंदू श्रद्धालु मां वाग्देवी के चित्र लेकर भोजशाला पहुंचे और विधि-विधान से पूजा की। इस दौरान गर्भगृह को रंगोली से आकर्षक रूप से सजाया गया। पूजा से पहले परिसर को गोमूत्र से शुद्ध किया गया।

भोजशाला परिसर के बाहर स्थित ज्योति मंदिर की अखंड ज्योत को भी गर्भगृह में स्थापित किया गया। सूर्योदय के साथ ही मंत्रोच्चार शुरू हो गया। श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला और उन्होंने नृत्य कर खुशी जाहिर की।

इससे पहले शनिवार शाम केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर और मांडू के संत महामंडलेश्वर निसर्ग दास जी महाराज भी पूजा-अर्चना के लिए पहुंचे। वहीं कलेक्टर राजीव रंजन मीना और एसपी सचिन शर्मा ने भी भोजशाला पहुंचकर पूजा की।

उन्होंने कहा कि मैं सभी लोगों को बधाई देती हूं। पहले शुक्रवार के दिन यहां तनाव का माहौल रहता था, लेकिन अब स्थिति सामान्य हो गई है। अब कोई भी श्रद्धालु कभी भी आकर दर्शन कर सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भोजशाला को और बेहतर तरीके से विकसित किया जाएगा, ताकि देश-प्रदेश से लोग यहां आएं और मां वाग्देवी का आशीर्वाद प्राप्त करें।

# मंडोली जेल में 3 माह में तीन मौतें: अपराध, नशा और उगाही का अड्डा बनी हाई सिक्योरिटी जेल; सिस्टम पर बड़ा सवाल

**नईदिल्ली, एजेंसी।** अपराधियों को सुधारने और समाज की मुख्यधारा में वापस लाने के लिए बनाई गई जेलें अगर खुद अपराध, नशे और उगाही का अड्डा बनने लगें, तो यह पूरे सिस्टम पर गंभीर सवाल खड़े करता है। राजधानी की हाई सिक्योरिटी मानी जाने वाली मंडोली जेल इन दिनों ठीक ऐसे ही आरोपों के घेरे में है। पिछले तीन महीनों में तीन विचाराधीन कैदियों की मौत ने न केवल सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है, बल्कि जेल के भीतर नशे के कारोबार और अवैध वसूली के संगठित नेटवर्क की आशंका को भी मजबूत कर दिया है। हालात ऐसे हैं कि हाई सिक्योरिटी कही जाने वाली इस जेल में आखिर क्या चल रहा है, इसका जवाब खुद जेल प्रशासन के पास नहीं दिख रहा। लगातार सामने आ रहे मामलों में मृतकों के स्वजनों ने एक जैसे आरोप लगाए हैं। जेल के भीतर नशीला पदार्थ आसानी से उपलब्ध है, कैदियों के साथ मारपीट होती है और पैसे की मांग की जाती है। इससे यह सवाल और गहरा हो जाता है कि क्या जेल के अंदर कोई संगठित गिरोह सक्रिय है, जो नशे की सप्लाई और अवैध वसूली दोनों चला रहा है। रिटायर्ड पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इतनी सख्त निगरानी और सीसीटीवी सिस्टम के बावजूद ऐसी घटनाएं होना या तो लापरवाही दर्शाता है या फिर मिलीभगत की ओर इशारा करता है। पहला मामला एक मार्च का है, जब 35 वर्षीय विचाराधीन कैदी मोहम्मद आजाद उर्फ राकल की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसे अचेत अवस्था में गुरु तेग बहादुर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। स्वजन ने जेल के अंदर मारपीट और नशे की ओवरडोज का आरोप लगाया। दूसरा मामला 18 मार्च का है, जब विचाराधीन कैदी नूर इस्लाम की संदिग्ध हालात में मौत हुई। इस मामले में भी परिजनों ने नशे की ओवरडोज की आशंका जताई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारण साफ होंगे। तीसरा मामला गत शुक्रवार का है, जब बुजुर्ग कैदी राजेंद्र की संदिग्ध परिस्थितियों में जेल के अंदर मौत हो गई। वह ठगी के आरोप में करीब सात महीने से बंद थे। स्वजन ने आरोप लगाया है कि जेल कर्मचारियों ने उनसे 50 हजार रुपये की मांग की थी और पैसे न देने पर प्रताड़ित किया जा रहा था।

**हाई सिक्योरिटी में पहुंच रहा नशा, हो रहा हमला :** सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर इतनी कड़ी सुरक्षा के बावजूद जेल के अंदर नशे की सप्लाई कैसे हो रही है। यदि यह सिर्फ एक-दो घटनाएं होतीं तो संयोग माना जा सकता था, लेकिन लगातार सामने आ रहे मामलों ने यह संकेत दे दिया है कि समस्या कहीं ज्यादा गहरी है।

**जेल की सुरक्षा को धता बताते कुछ मामले :** 7 जून 2024: विचाराधीन कैदी फरमान ने जेल के भीतर हमले और वसूली नेटवर्क के आरोप लगाए 15 अगस्त 2025: गैंगस्टर सलमान त्यागी की मंडोली जेल में कथित आत्महत्या20 नवंबर 2025: दिल्ली हाईकोर्ट ने मंडोली जेल में कैदियों की सुरक्षा में खामियों और मारपीट व वसूली के आरोपों पर चिंता जताई दिसंबर 2025: तिहाड़ की खराब स्थिति के चलते कैदियों को मंडोली शिफ्ट करने का फैसला, क्षमता और प्रबंधन पर सवाल 1 मार्च 2026: 35 वर्षीय मोहम्मद आजाद की मंडोली जेल से जीटीबी अस्पताल ले जाते समय मौत 17 मार्च 2026: एक अन्य विचाराधीन कैदी की संदिग्ध मौत, परिजनों ने ड्रग ओवरडोज की आशंका जताई ।

## सुप्रीम कोर्ट में केंद्र का हलफनामा, चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में सीजेआई की मौजूदगी जरूरी नहीं

**नई दिल्ली, एजेंसी।** केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि संविधान के तहत चुनाव आयोग की नियुक्ति समिति में न्यायिक प्रतिनिधित्व अनिवार्य नहीं है। सरकार ने स्पष्ट किया कि चयन समिति में न्यायपालिका के सदस्य को शामिल करना 'विधायी निर्णय'' हो सकता है, लेकिन यह कोई 'संवैधानिक बाध्यता'' नहीं है। केंद्र ने यह दलील मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दाखिल प्रति-हलफनामे में दी है। 2 जनवरी 2024 से लागू इस कानून के तहत मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा एक चयन समिति की सिफारिश पर की जाती है। समिति में प्रधानमंत्री, एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता शामिल होते हैं। नए कानून में भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) की जगह केंद्रीय मंत्री को शामिल किया गया है। केंद्र ने हलफनामे में कहा कि संविधान में कहीं भी चुनाव आयोग की नियुक्ति समिति में न्यायिक प्रतिनिधित्व का प्रविधान अनिवार्य नहीं किया गया है। सरकार के अनुसार, यह कहना कि नियुक्तियों की वैधता के लिए न्यायपालिका की भागीदारी जरूरी है, शक्तियों के पृथक्करण और संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत संसद की भूमिका की गलत व्याख्या है। सरकार ने कहा कि चुनाव आयोग की वास्तविक स्वतंत्रता उसके संवैधानिक दर्जे, सुरक्षित कार्यकाल, हटाने संबंधी सुरक्षा उपायों तथा वेतन और कार्यों के वैधानिक संरक्षण से सुनिश्चित होती है। 2023 का कानून इन सभी प्रावधानों को बरकरार रखते हुए नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता जोड़ता है। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट के 2 मार्च 2023 के अनूप बरनवाल फैसले का हवाला देते हुए कहा कि अदालत ने उस समय अंतरिम व्यवस्था के तौर पर सीजेआइ को चयन समिति में शामिल करने की बात कही थी, जो केवल तब तक लागू थी जब तक संसद इस संबंध में कानून न बना दे। सरकार ने यह भी कहा कि अब तक नियुक्त किसी भी चुनाव आयुक्त की योग्यता या निष्पक्षता पर कोई सवाल नहीं उठाया गया है। साथ ही, याचिकाकर्ताओं के इस आरोप को भी खारिज किया गया कि न्यायपालिका के बिना चयन समिति पक्षपातपूर्ण हो जाएगी।

## बंगाल सरकार की नियमों में सख्ती, कोलकाता का इकलौता बूचड़खाना संकट में ताजा मांस की आपूर्ति ठप

**कोलकाता, एजेंसी।** पश्चिम बंगाल में नई भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद प्रशासन ने पुराने कानूनों को सख्ती से लागू करना शुरू कर दिया है। इसके चलते कोलकाता के एकमात्र बूचड़खाने (तांगरा स्लॉटर हाउस) में गुरुवार से ताजे पशुओं की आपूर्ति पूरी तरह बंद हो गई है। बूचड़खाने के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि फिलहाल परिसर में 180 से ज्यादा पशु रखे हुए हैं, लेकिन सख्त सरकारी मानदंडों को पूरा न करने के कारण केवल 22 पशुओं को ही वध की अनुमति दी गई है। पहले यहां रोजाना 150 से 200 पशुओं का वध होता था, जो कभी-कभी 250 तक भी पहुंच जाता था। बुधवार को जारी अधिसूचना में पश्चिम बंगाल पशु वध नियंत्रण अधिनियम, 1950 और कलकत्ता उच्च न्यायालय के 2018 के आदेश का हवाला दिया गया है। आदेश के अनुसार, बिना वैध स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र के किसी भी पशु का वध नहीं किया जा सकता। प्रमाण-पत्र केवल कोलकाता नगर निगम के अध्यक्ष या संबंधित पंचायत समिति के सभापति और सरकारी पशु चिकित्सक द्वारा संयुक्त रूप से जारी किया जा सकता है। पशु को वध के योग्य तभी माना जाएगा जब, वह 14 वर्ष से अधिक आयु का हो और काम या प्रजनन के लिए अनुपयुक्त हो, या चोट, विकृति, या असाध्य बीमारी के कारण अक्षम हो कोलकाता नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बूचड़खाने के संचालन की अनुमतियां (परमिट) आमतौर पर मार्च में नवीनीकृत की जाती हैं। इस बार विधानसभा चुनाव और आचार संहिता के कारण प्रक्रिया में देरी हुई है। एक अधिकारी ने कहा कि परमिट शीघ्र ही नवीनीकृत कर दिए जाएंगे। फिलहाल नए पशुओं को प्रवेश की अनुमति नहीं है। जो पशु मानकों पर खरे नहीं उतर रहे, उन्हें वापस भेजा जा रहा है। जल प्रबंधन के क्षेत्र में दोनों देशों के मजबूत रिश्तों को नया विस्तार मिला है। भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय और नीदरलैंड के बुनियादी ढांचा एवं जल प्रबंधन मंत्रालय के सहयोग से IIT दिल्ली में एक जल अनुसंधान केंद्र स्थापित करने का स्वागत किया गया। इसके अलावा, गुजरात की महत्वाकांकल्पसर परियोजना के लिए तकनीकी सहयोग को लेकर एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। सिबी जॉर्ज ने बताया प्रोजेक्ट भारत के सौराष्ट्र क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए मीठे पानी का जलाशय बनाने से जुड़ा है।

### डच शाही परिवार से मिले पीएम मोदी

द हेग पहुंचने पर प्रधानमंत्री मोदी का भारतीय प्रवासियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। अपनी यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने नीदरलैंड के राजा विलेम-अलेक्जेंडर और रानी मैक्सिमा से भी मुलाकात की और उन्हें पिछले कुछ वर्षों में भारत में हुए बड़े नीतिगत सुधारों और बदलावों से अवगत कराया। पीएम मोदी ने नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रोब जेटन को भारत आने का निमंत्रण भी दिया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया।

## चेन्निथला को गृह तो सतीशन को मिल सकता है वित्त मंत्रालय केरल में कांग्रेस तय करेगी मंत्रियों के पोर्टफोलियो

**तिरुवनंतपुरम, एजेंसी।** केरल में कांग्रेस पार्टी सलाह मशविरे और सुलह की कोशिशों के बाद अपने मंत्रियों के नाम लगभग तय करने वाली है। मुख्यमंत्री पद के लिए चुने गए वीडी सतीशन 18 मई को पदभार संभालेंगे। उन्होंने कहा कि वह रविवार को गवर्नर को कैबिनेट की पूरी लिस्ट सौंप देंगे। काफी कोशिशों के बाद सतीशन ने रमेश चेन्निथला को सरकार में शामिल होने के लिए मना लिया है। दोनों के बीच हुई बातचीत दूसरे दौर में कामयाब रही। पार्टी के भीतर बनी सहमति के तहत उम्मीद है कि रमेश गृह मंत्रालय के साथ-साथ विजिलेंस विभाग भी संभालेंगे और कैबिनेट में दूसरे नंबर के नेता के तौर पर उभरेंगे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस आलाकमान ने भी रमेश को मनाने में दखल दिया, ताकि वह सतीशन के मंत्रालय में शामिल होने के प्रस्ताव को मान लें। इससे सरकार में उनकी भूमिका को लेकर बनी अनिश्चितता खत्म हो गई। यह भी लगभग तय हो गया है कि सतीशन खुद वित्त मंत्रालय अपने पास रखेंगे। सतीशन ने एआईसीसी के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल के साथ भी अहम बातचीत की। वेणुगोपाल भी सीएम पद के दावेदार थे। वेणुगोपाल के घर पर हुई यह बैठक सतीशन के सीएम पद के लिए चुने जाने के बाद दोनों नेताओं के बीच पहली मुलाकात थी।

**कैबिनेट में किन लोगों को मिल सकती है जगह :** सूत्रों के मुताबिक, तिरुवनचूर राधाकृष्णन, सनी जोसेफ, के मुरलीधरन और एपी अनिल कुमार के साथ-साथ पीसी विष्णुनाथ, बिंदु कृष्णा, एम लिजू और चांडी ओमन का भी कैबिनेट में जगह पाना लगभग तय है। उन्होंने बताया कि यूडीएफ सहयोगियों के साथ मंत्री पदों की संख्या तय होने के बाद कुछ और नाम भी जोड़े जा सकते हैं। कांग्रेस मंत्रियों के विभागों का फैसला भी सहयोगियों के साथ चर्चा के बाद ही किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, रमेश द्वारा सुझाए गए कुछ अतिरिक्त नामों को इस चरण में शामिल किए जाने की संभावना कम है। रिपोर्टों से पता चलता है कि बातचीत के दौरान उन्होंने कैबिनेट में अपने किसी एक उम्मीदवार को शामिल करने की मांग की थी। सनी जोसेफ, मुरलीधरन और राधाकृष्णन को अहम विभाग मिलने की संभावना है।

फिलहाल, बिंदु कृष्णा अकेली ऐसी महिला विधायक हैं जिन्हें पार्टी के प्रदेश नेतृत्व ने कैबिनेट में शामिल करने की मंजूरी दी है। शानीमोल उस्मान के नाम पर भी सक्रिय रूप से विचार किया जा रहा है। तय फॉर्मूले के अनुसार, केपीसीसी अध्यक्ष कांग्रेस उम्मीदवारों की सूची मंजूरी के लिए पार्टी आलाकमान को सौंपेंगे।

## नोएडा श्रमिक हिंसा: सोशल मीडिया पर भ्रामक जानकारी फैलाने वालों पर दो मामले दर्ज

**नोएडा, एजेंसी।** वेतन वृद्धि को लेकर 13 अप्रैल को हुई श्रमिक हिंसा मामले में पुलिस का दावा है कि इंटरनेट मीडिया पर अभी भी भ्रामक जानकारी प्रसारित की जा रही है। बिगुल दस्ता समेत कई पेज के माध्यम से आरोपितों की गिरफ्तारी को गलत ठहराया जा रहा है। आरोपितों का जबरन अपहरण करने और प्रताड़ित करने का आरोप लगाया जा रहा है। पुलिस को आशंका है कि इस तरह से श्रमिक दोबारा प्रदर्शन कर सकते हैं। पुलिस की भी छवि खराब करने का प्रयास हो रहा है। गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट पुलिस के मीडिया सेल कर्मी ने साइबर क्राइम थाने में दो मुकदमे दर्ज कराए हैं। गौतबुद्ध नगर कमिशनरेट पुलिस के मीडिया सेल में उपनिरीक्षक सुखदेव सिंह तैनात हैं। उनको मीडिया सेल पर निगरानी के दौरान पता चला है कि इंटरनेट मीडिया पर कुछ लोग 13 अप्रैल को हुई हिंसा के दौरान के वीडियो को एडिट कर प्रसारित कर रहे हैं। इससे श्रमिकों को फिर से उकसाने का काम हो रहा है। साथ ही बिगुल दस्ते के फेसबुक पेज से लगातार पुलिस की कार्रवाई पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं जबकि पुलिस हर स्तर पर कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए कार्रवाई कर रही है। इससे आमजन के मन में पुलिस की गलत छवि पेश की जा रही है। साइबर क्राइम थाना प्रभारी विजय सिंह राणा ने बताया कि दो फेसबुक अकाउंट के खिलाफ मामले दर्ज कर जांच कराई जा रही है। जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

# क्या ईरान पर फिर हमले की तैयारी कर रहा अमेरिका, ट्रंप के पोस्ट से पश्चिम एशिया में बढ़ा तनाव

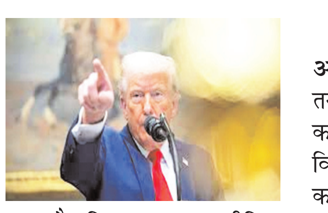

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम एशिया में व्याप्त तनाव के बीच एक ऐसा पोस्ट किया है, जिसने पूरी दुनिया की चिंता बढ़ा दी है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक एआई से बनाई गई तस्वीर साझा की, जिसमें वह 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' कैप पहनकर अमेरिकी नौसेना के एक एडमिरल के साथ युद्धपोत पर खड़े दिखाई दे रहे हैं। तस्वीर में समुद्र में तूफानी मौसम और पीछे ईरानी जहाज भी नजर आ रहे हैं। इसके साथ ट्रंप ने लिखा, 'यह तूफान से पहले की शांति थी'। ट्रंप के इस संदेश को सीधे तौर पर ईरान के लिए चेतावनी माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन ईरान के खिलाफ फिर से हवाई हमले शुरू करने के विकल्प पर चर्चा कर रहा है। बताया जा रहा है कि अगर कूटनीतिक बातचीत सफल नहीं होती, तो अमेरिका सैन्य कार्रवाई का रास्ता अपना सकता है। वहीं, एक अमेरिकी अखबार की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ट्रंप अपनी ईरान नीति को लेकर बड़ा फैसला लेने की तैयारी में हैं। व्हाइट हाउस के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संभावित सैन्य योजनाओं पर चर्चा चल रही है। इससे पहले भी ट्रंप ईरान को चेतावनी दे चुके हैं कि अगर जल्द कोई शांति समझौता नहीं हुआ, तो ईरान के लिए 'बहुत बुरा समय' आ सकता है।

**'अमेरिका की नीयत पर अब भी भरोसा नहीं':** दूसरी तरफ ईरान भी अपने रुख पर कायम नजर आ रहा है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका की ओर से बातचीत शुरू करने के संकेत मिले हैं, लेकिन तेहरान को अभी भी वॉशिंगटन की नीयत पर भरोसा नहीं है। वहीं ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि ईरान की 14 सूत्रीय शांति योजना के अलावा कोई भी प्रस्ताव बेनतीजा साबित होगा।

**होर्मुज बना पश्चिम एशिया में तनाव का केंद्र:** पश्चिम एशिया में तनाव का सबसे बड़ा केंद्र फिलहाल होर्मुज जलडमरूमध्य बना हुआ है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है, जहां से लगभग 20 प्रतिशत वैश्विक तेल सप्लाई गुजरती है। ईरान ने यहां शिपिंग कंट्रोल के लिए नया प्रस्ताव भी दिया है। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि कुछ समुद्री रास्तों को सीमित किया जा सकता है, जबकि ईरान के साथ सहयोग करने वाले व्यावसायिक जहाजों को नियंत्रित तरीके से गुजरने की अनुमति दी जाएगी।

**युद्धविराम के बावजूद हालात बेहद नाजुक:** हालांकि पिछले महीने युद्धविराम की घोषणा हुई थी, लेकिन हालात अभी भी बेहद नाजुक बने हुए हैं। अमेरिका ने खाड़ी क्षेत्र में अपनी नौसैनिक मौजूदगी मजबूत कर रखी है। ऐसे में ट्रंप के नए बयान और सैन्य कार्रवाई की अटकलों ने पश्चिम एशिया में एक बड़े टकराव की आशंका को फिर बढ़ा दिया है।

## बालेंद्र सरकार को सुप्रीम झटका, भारतीय उत्पादों पर नहीं लगेगा सीमा शुल्क

**काठमांडो, एजेंसी।** नेपाल में प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की नव निर्वाचित सरकार को देश के सर्वोच्च न्यायालय से एक बहुत बड़ा और करारा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने भारत से नेपाल में लाए जाने वाले आम इस्तेमाल के भारतीय उत्पादों पर सीमा शुल्क लगाने के सरकार के एक विवादास्पद फैसले पर फिलहाल पूरी तरह से रोक लगा दी है। अदालत के इस अहम आदेश के बाद अब सीमा पार से 100 नेपाली रुपये से अधिक का सामान लाने पर आम जनता को सीमा शुल्क नहीं देना पड़ेगा। दरअसल, हाल ही में नेपाल के वित्त मंत्रालय ने एक नया नियम लागू किया था। इस नियम के तहत यह अनिवार्य कर दिया गया था कि भारत से अगर कोई 100 नेपाली रुपये से ज्यादा का सामान लाता है, तो उसे सीमा शुल्क यानी टैक्स चुकाना ही होगा। जनता इस फैसले से बहुत परेशान थी और इसकी कड़ी आलोचना हो रही थी। अब नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को एक अंतरिम आदेश जारी करके सरकार के इस कठोर फैसले को लागू करने से रोक दिया है।

**सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में क्या कहा है:** सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस हरि प्रसाद फुयाल और जस्टिस टेक प्रसाद ढुंगाना की पीठ ने इस महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई की। अदालत ने प्रधानमंत्री कार्यालय, मंत्रिपरिषद, वित्त मंत्रालय और अन्य सभी संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि जब तक इस मामले में अदालत का कोई अंतिम फैसला नहीं आ जाता, तब तक इस विवादित सीमा शुल्क प्रावधान को बिल्कुल भी लागू न किया जाए।

## पटौदी में गुरुग्राम-रेवाड़ी मार्ग की बदहाली, गड्ढों से बढ़ रहा हादसों का खतरा

**पटौदी, एजेंसी।** पटौदी नगर से गुजर रहे गुरुग्राम-पटौदी-रेवाड़ी मार्ग की जर्जर हालत लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनी हुई है। सड़क पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढों के कारण वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन छोटे-बड़े हादसे हो रहे हैं, लेकिन संबंधित विभाग इस ओर कोई गंभीर ध्यान नहीं दे रहा। नगरवासियों का आरोप है कि नेशनल हाईवे अथॉरिटी की लापरवाही के कारण लोगों को लंबे समय से परेशानी झेलनी पड़ रही है। ज्ञात हो कि सरकार ने गुरुग्राम-पटौदी-रेवाड़ी मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग का दर्जा देते हुए पटौदी नगर के बाहर से बाईपास निर्माण योजना शुरू की थी। पिछले कई वर्षों से इस परियोजना का निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहा है। अब तक न तो बाईपास पूरी तरह तैयार हो पाया है और न ही वहां बनाए गए अधिकांश फ्लाईओवर एवं अंडरपास चालू किए गए हैं। इसके अलावा कई स्थानों पर सर्विस रोड भी अधूरे पड़े हैं तथा उनमें गड्ढे बने हुए हैं।

**दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी :** बाईपास पूरी तरह चालू न होने के कारण अधिकांश वाहन चालक अब भी नगर के बीच से गुजर रहे पुराने मार्ग का प्रयोग कर रहे हैं। यही मार्ग स्थानीय लोगों की दैनिक आवाजाही का भी मुख्य साधन है। परंतु यह सड़क लंबे समय से टूट-फूट का शिकार है। सड़क पर बने गड्ढों से बचने के प्रयास में वाहन चालक कई बार सड़क नियमों की अनदेखी करते हुए वाहन टेढ़े-मेढ़े चलाते हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा और बढ़ जाता है। विशेषकर दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ रही है। नगरवासियों का कहना है कि बरसात के दौरान इन गड्ढों में पानी भर जाता है, जिससे उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता और हादसों की आशंका बढ़ जाती है। वहीं दिनभर सड़क पर उड़ने वाली धूल लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल रही है। व्यापारियों और आसपास रहने वाले लोगों को भी काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। इस बारे में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) के परियोजना निदेशक योगेश तिलक से संपर्क करने का कई बार प्रयास किया परंतु संपर्क नहीं हो पाया।

## राष्ट्रपति चुनाव से पहले कोलंबिया में हिंसा

**बोगोटा, एजेंसी।** कोलंबिया के मध्य इलाके में एक पूर्व मेयर की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। स्थानीय अधिकारियों ने शनिवार को इस घटना की जानकारी दी। इस हमले में पूर्व मेयर रोजर्स डेविया के साथ उनके एक सहायक एडर कार्डोना की भी मौत हो गई। डेविया राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार अबेलार्डो डी ला एस्प्रिएला के करीबी सहयोगी थे। एस्प्रिएला नेशनल साल्वेशन मूवमेंट पार्टी से चुनाव लड़ रहे हैं। यह हमला कुबरल के ग्रामीण क्षेत्र में हुआ। रोजर्स डेविया ने साल 2020 से 2023 के बीच इस शहर के मेयर के रूप में शासन किया था। कुबरल शहर राजधानी बोगोटा से लगभग 170 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है। मेटा विभाग के लोकपाल कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इस हमले की जानकारी साझा की।

यह क्षेत्र वर्तमान में तीन सशस्त्र समूहों के बीच संघर्ष का केंद्र बना हुआ है। इनमें से दो समूहों को अमेरिकी सरकार ने आतंकवादी संगठन माना है। तीसरा समूह पूर्व विद्रोही संगठन 'फार्क' से अलग होकर बना एक गुट है। लोकपाल कार्यालय का कहना है कि इस तरह की हिंसा से 31 मई को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में लोगों के राजनीतिक अधिकारों और लोकतांत्रिक भागीदारी पर बुरा असर पड़ सकता है। आगामी राष्ट्रपति चुनाव में कम से कम छह उम्मीदवार हिस्सा ले रहे हैं।

# 'होर्मुज में जहाजों पर हमले और आवाजाही बाधित करना अस्वीकार्य', संयुक्त राष्ट्र में भारत की खरी-खरी

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच ऊर्जा और उर्वरक संकट पर भारत का दृष्टिकोण रखा।

उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री सुरक्षा और आवाजाही की स्वतंत्रता में बाधाओं पर चिंता जताई। हरीश ने वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाने और नागरिक चालक दल को खतरे में डालने को अस्वीकार्य बताया। साथ ही भारत ने जोर देकर कहा कि सुरक्षित समुद्री मार्गों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पूरी तरह पालन होना चाहिए। बता दें कि, पी. हरीश ने संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद की विशेष बैठक में भाग लिया। इस बैठक का उद्देश्य ऊर्जा और आपूर्ति प्रवाह की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। उन्होंने कहा कि संकट से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए अल्पकालिक और संरचनात्मक उपाय आवश्यक हैं। अंतरराष्ट्रीय सहयोग भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। हरीश ने 'एक्स' पर लिखा कि अंतरराष्ट्रीय कानून का पूरी तरह सम्मान किया जाना चाहिए।

**ईरान का नया समुद्री तंत्र:** ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री यातायात को विनियमित करने के लिए एक पेशेवर तंत्र की घोषणा की है। ईरानी संसद के एनएससी प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने 'एक्स' पर बताया कि यह तंत्र जल्द ही अनावरण होगा। इसे ईरान की राष्ट्रीय संप्रभुता के तहत विकसित किया गया है, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय व्यापार की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस तंत्र से केवल ईरान के साथ सहयोग करने वाले वाणिज्यिक जहाजों को लाभ मिलेगा। यह मार्ग 'स्वतंत्रता परियोजना' से जुड़े ऑपरेटरों के लिए बंद रहेगा।

**पश्चिम एशिया में शांति पर मतभेद:** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि पश्चिम एशिया संकट को समाप्त करने के लिए शांति समझौता नहीं हुआ तो बहुत बुरा समय आएगा।

इस बीच, ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका पश्चिम एशिया में शांति का प्राथमिक अवरोधक है। अराघची ने दावा किया कि 40 दिनों के युद्ध के बाद अमेरिका ने बातचीत का प्रस्ताव दिया। उन्होंने कहा कि तेहरान में इस कदम पर गहरा संदेह है। अराघची ने अमेरिकियों पर अविश्वास व्यक्त किया और इसे किसी भी कूटनीतिक प्रयास में मुख्य बाधा बताया।

**ओमान तट पर भारतीय जहाज पर हमला:** दरअसल, कुछ दिन पहले ओमान तट के पास भारत के झंडे वाले एक व्यापारिक जहाज पर हमला हुआ था।

यह जहाज सोमालिया से रवाना हुआ था। ओमान की अधिकारियों ने जहाज पर मौजूद सभी 14 क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बचा लिया, लेकिन हमला किसने किया, इसकी अभी पुष्टि नहीं हो पाई।

# स्वदेशी एक वस्तु नहीं, एक विचार है वैश्विक अस्थिरता में भारत बनेगा मजबूत - रीती पाठक

**मीडिया ऑडीटर, सीधी ( निप्र )।** सीधी में स्वदेशी जागरण मंच के तत्वावधान में आयोजित जिला विचार वर्ग एवं परिचय सम्मेलन में स्वदेशी, स्वावलंबन, सुरक्षा और स्वरोजगार जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीधी विधायक रीती पाठक शामिल हुईं जिन्होंने अपने संबोधन में कहा कि स्वदेशी एक वस्तु नहीं एक विचार है और वैश्विक अस्थिरता के समय भारत को मजबूत बनाने के लिए घर-घर स्वदेशी अपनाना आवश्यक है कार्यक्रम में अधिवक्ता एवं संयोजक स्वदेशी जागरण मंच सीधी प्रमोद कुमार मिश्र ने जिलेवासियों से स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग और विदेशी उत्पादों के बहिष्कार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में देश की अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है उन्होंने बताया कि हाल ही में आयोजित कार्यकर्ता परिचय सम्मेलन में प्रधानमंत्री के संदेश स्वदेशी अपनाओ और जागरूक बनो को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया है इसके साथ ही स्वदेशी और विदेशी वस्तुओं की सूची भी प्रसारित की गई है ताकि उपभोक्ता यह समझ सकें कि उनका पैसा देश में रह रहा है या विदेश जा रहा है कार्यक्रम के दौरान विधायक रीती पाठक ने उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को स्वदेशी अपनाने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपरा भारत को विश्वगुरु बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के आह्वान को साकार करने के लिए वोकल फॉर लोकल अभियान को घर-घर तक पहुंचाने की आवश्यकता बताई कार्यक्रम का संचालन डॉ. हरविलास गुप्ता ने किया तथा आभार प्रदर्शन अधिवक्ता बी.के. शुक्ला द्वारा किया गया इस अवसर पर स्वदेशी जागरण मंच के सैकड़ों पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रमोद कुमार मिश्र ने कहा कि स्वदेशी अपनाने से स्थानीय कारीगरों, बुनकरों और छोटे व्यापारियों को रोजगार मिलता है इससे देश का धन देश में ही रहता है और विदेशी वस्तुओं पर निर्भरता कम होती है उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्तर पर छोटे उद्योगों को मजबूती मिलने से नए रोजगार के अवसर उत्पन्न होते हैं उन्होंने आगे कहा कि आयात कम होने से विदेशी मुद्रा की बचत होती है जिससे राष्ट्रीय व्यापार घाटा कम करने में मदद मिलती है स्वदेशी उत्पाद जैसे खादी, कृषि उत्पाद और आयुर्वेदिक वस्तुएं पर्यावरण के अनुकूल होती हैं जो स्वास्थ्य और प्रकृति दोनों के लिए लाभकारी हैं उन्होंने बताया कि सीधी जिले में वोकल फॉर लोकल अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं जिससे स्थानीय उत्पादों को पहचान और बाजार मिल रहा है।

# जनजातीय समुदायों के सशक्तिकरण हेतु 18 मई से जनभागीदारी अभियान शुरू

**मीडिया ऑडीटर, सीधी ( निप्र )।** सीधी जिले में जनजातीय समुदायों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़कर उनके समग्र सशक्तिकरण के उद्देश्य से 18 मई से 25 मई तक विशेष जनभागीदारी अभियान चलाया जाएगा भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय एवं मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार यह अभियान धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान तथा प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान के अंतर्गत संचालित किया जाएगा इस अभियान के तहत जिले के 234 चिन्हित जनजातीय ग्रामों में जन भागीदारी- सबसे दूर, सबसे पहले थीम पर लाभार्थी संतृप्ति शिविर आयोजित किए जाएंगे इन शिविरों का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ जनजातीय क्षेत्रों के पात्र हितग्राहियों तक शासकीय योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाना है कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार प्रत्येक चयनित ग्राम के आदि सेवा केंद्रों में विभिन्न विभागों के समन्वय से शिविर लगाए जाएंगे इन शिविरों में पात्र हितग्राहियों को आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, जनधन खाता, आयुष्मान भारत कार्ड, राशन कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड, वन अधिकार पट्टा, पीएम उज्ज्वला योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना सहित अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, पीएम सुरक्षा बीमा योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, सुरक्षित मातृत्व अभियान, राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम, स्किल मिशन, क्षय रोग जांच एवं उपचार जैसी सेवाएं भी शिविरों के माध्यम से प्रदान की जाएंगी अभियान के लिए प्रशासनिक तैयारियां पूरी अभियान के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है जिला पंचायत सीईओ शैलेन्द्र सिंह सोलंकी को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी तथा अनुसूचित जाति एवं जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त जोधासिंह उइके को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है वहीं जनपद स्तर पर संबंधित मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभियान के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संभालेंगे। अभियान के अंतर्गत 18 मई को कलेक्ट्रेट में जिला, ब्लॉक और ग्राम स्तरीय अधिकारियों का अभिमुखीकरण एवं शुभारंभ किया जाएगा 19 से 25 मई तक संतृप्ति शिविर स्वास्थ्य जांच और वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा 20 मई को ग्राम ईमर्शन ड्राइव और ट्रांसेक्ट वॉक के माध्यम से जमीनी स्थिति का आकलन किया जाएगा 21 से 23 मई तक आदि सेवा केंद्रों पर जनसुनवाई आयोजित कर शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाएगा 24 मई को दस्तावेजीकरण प्रगति रिपोर्ट और प्रमाण पत्र तैयार किए जाएंगे, जबकि 25 मई को समीक्षा बैठक आयोजित कर आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की जाएगी।

# तालाब संरक्षण के लिए युवाओं का अनुकरणीय श्रमदान, पथरौला में जल संरक्षण बना जनअभियान

**मीडिया ऑडीटर, सीधी ( निप्र )।** सीधी जिले में जल संरक्षण को लेकर चल रहे जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के द्वितीय चरण के तहत विकासखंड मझौली के ग्राम पथरौला में ग्रामीण युवाओं द्वारा अनुकरणीय पहल देखने को मिली है गांव में स्थित मां कालिका मंदिर के निकट तालाब की स्वच्छता और संरक्षण के लिए युवाओं ने श्रमदान कर इसे जनअभियान का रूप दे दिया है गांव के युवा लगातार तालाब की सफाई, गाद हटाने और कचरे के निष्पादन का कार्य कर रहे हैं। उनका उद्देश्य जल स्रोत को स्वच्छ और सुरक्षित बनाना है ताकि आने वाले समय में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके इस पहल से ग्रामीण क्षेत्र में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता भी तेजी से बढ़ रही है यह अभियान मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद जिला सीधी के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है इसके अंतर्गत यथार्थ लाल सेवा समिति दादर के नेतृत्व में युवाओं की टीम नियमित रूप से श्रमदान कर रही है तालाब की सफाई के साथ-साथ आसपास के क्षेत्र को भी स्वच्छ बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है युवाओं की यह सक्रिय भागीदारी न केवल जल संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दे रही है बल्कि समाज में जनभागीदारी के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की एक मजबूत मिसाल भी प्रस्तुत कर रही है ग्रामीणों का कहना है कि पहले उपेक्षित पड़े तालाब में अब फिर से जीवन और स्वच्छता लौटती दिखाई दे रही है स्थानीय लोगों के अनुसार, इस तरह के प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट की समस्या को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

# पत्थर खदानों और क्रशरों में ब्लास्टिंग पर प्रशासन सतर्क, औचक निरीक्षण तेज

## विस्फोटक सामग्री के उपयोग पर कड़ी निगरानी, नियम विरुद्ध गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

**मीडिया ऑडीटर, सीधी ( निप्र )।** सीधी जिले में पत्थर खदानों और क्रशर संयंत्रों में ब्लास्टिंग के दौरान उपयोग होने वाली विस्फोटक सामग्री को लेकर प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी विकास मिश्राके निर्देशानुसार जिले में संचालित सभी खदानों और क्रशरों की निगरानी तेज कर दी गई है इसी क्रम में लगातार औचक निरीक्षण किए जा रहे हैं इस अभियान के तहत खनि अधिकारी कपिल मुनि शुक्लाने खनि निरीक्षक शिशिर यादवके साथ गोपदबनास तहसील अंतर्गत ग्राम बहेरा पश्चिम, अमहवा और उपनीमें संचालित स्वीकृत खदानों एवं क्रशर क्षेत्रों का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान किसी भी खदान या क्रशर स्थल पर विस्फोटक सामग्री नहीं पाई गई जो प्रशासन के लिए राहत की बात रही। निरीक्षण के दौरान खदान संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि किसी भी प्रकार की ब्लास्टिंग गतिविधि केवल सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति के बाद ही और निर्धारित नियमों के अनुरूप की जाए प्रशासन ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि सुरक्षा मानकों और नियमों की अनदेखी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी जिला प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में जिले की सभी स्वीकृत खदानों एवं क्रशर संयंत्रों का औचक निरीक्षण अभियानऔर तेज किया जाएगा यदि किसी भी स्थान पर नियम विरुद्ध गतिविधियां या अवैध विस्फोटक सामग्री का उपयोग पाया जाता है तो संबंधित संचालकों के खिलाफ कठोर दंडात्मक कार्रवाईसुनिश्चित की जाएगी प्रशासन का कहना है कि खनन गतिविधियों में सुरक्षा और नियमों का पालन अत्यंत आवश्यक है क्योंकि थोड़ी सी लापरवाही भी बड़े हादसों का कारण बन सकती है इसलिए सभी संचालकों को नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत दी गई है इसी क्रम में 18 मई 2026 (सोमवार) को दोपहर 3 बजे चुरहट एवं रामपुर नैकिन क्षेत्र के खदान संचालकों के साथ उपखंड मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी इस बैठक में विस्फोटक सामग्री के सुरक्षित रखरखाव, ब्लास्टिंग प्रक्रिया की समीक्षा तथा औचक जांच की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की जाएगी अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यह पूरी कार्रवाई खनन कार्यों में पारदर्शिता, सुरक्षा और नियमों के सख्त पालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही है। प्रशासन का फोकस यह सुनिश्चित करना है कि जिले में सभी खनन गतिविधियां पूरी तरह वैध और सुरक्षित तरीके से संचालित हों।

# मीडिया प्रतिनिधियों के लिए जिला चिकित्सालय में लगा नि :शुल्क स्वास्थ्य शिविर

## बीपी, शुगर, हीमोग्लोबिन और ईसीजी जांच के साथ विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दिया स्वास्थ्य परामर्श

**मीडिया ऑडीटर, सीधी ( निप्र )।** सीधी जिले में मीडिया प्रतिनिधियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक विशेष पहल की गई। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशानुसार जिला चिकित्सालय के न्यू एमसी विंग में शनिवार को मीडिया कर्मियों के लिए नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में पत्रकारों और मीडिया प्रतिनिधियों का व्यापक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा उन्हें चिकित्सकीय परामर्श और आवश्यक दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराई गई। समाज के जागरूक प्रहरी माने जाने वाले मीडिया कर्मियों के स्वास्थ्य संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में पत्रकारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा मीडिया प्रतिनिधियों की ब्लड प्रेशर (बीपी), शुगर, हीमोग्लोबिन और ईसीजी जांच की गई इसके साथ ही विशेषज्ञ चिकित्सकों ने सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक परामर्श और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए प्रशासन का कहना है कि लगातार व्यस्त दिनचर्या और तनावपूर्ण कार्यशैली के कारण मीडिया कर्मियों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है इसी उद्देश्य से यह स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया ताकि समय रहते स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान कर उचित उपचार और परामर्श उपलब्ध कराया जा सके।

शिविर के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबिता खरे, सिविल सर्जन डॉ. एस.बी. खरे, चिकित्सा अधिकारी डॉ. अविनाश जॉन धार्वे, डॉ. हिमेश पाठक, डॉ. आशीष भारती, डॉ. अतुल पाण्डे और डॉ. अनुराग पॉल उपस्थित रहे विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मीडिया प्रतिनिधियों को नियमित स्वास्थ्य जांच संतुलित आहार और तनावमुक्त जीवनशैली अपनाने की सलाह दीउन्होंने बताया कि लंबे समय तक अनियमित दिनचर्या और कार्य के दबाव के कारण उच्च रक्तचाप, मधुमेह और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है ऐसे में समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण बेहद जरूरी है। शिविर की व्यवस्थाओं को सफलतापूर्वक संचालित करने में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही लैब टेक्नीशियन संजय पाण्डेय, पुष्पराज त्रिपाठी, अनुराग पयासी तथा मेल नर्सिंग ऑफिसर संजय रावत ने जांच और व्यवस्थाओं में सक्रिय सहयोग दिया स्वास्थ्य शिविर में शामिल मीडिया प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की इस पहल की सराहना की उन्होंने कहा कि मीडिया कर्मियों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार का आयोजन न केवल उपयोगी है बल्कि प्रेरणादायक भी है।

# महिला कृषक पाठशाला में जैविक खेती और आजीविका संवर्धन का प्रशिक्षण

**मीडिया ऑडीटर, सीधी ( निप्र )।** सीधी जिले में महिला किसानों को आत्मनिर्भर और जागरूक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए महिला कृषक पाठशाला का आयोजन किया गया। कृषि वर्ष 2026-27 के उपलक्ष्य में जिला प्रशासन के निर्देशानुसार मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला सीधी के मार्गदर्शन में ग्रामीण आजीविका मिशन मझौली द्वारा एकीकृत कृषि संकुल योजना के अंतर्गत बैगा बहुल ग्राम बोदरी टोला में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिला किसानों को जैविक खेती के प्रति प्रोत्साहित करना और उनकी आजीविका को मजबूत बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को जैविक खेती की उपयोगिता पर्यावरण संरक्षण और कम लागत में अधिक उत्पादन के तरीकों की विस्तृत जानकारी दी गई विशेषज्ञों ने महिला किसानों को जैविक कीटनाशक ब्रह्मास्त्र और नीमास्त्र बनाने की विधि सिखाई साथ ही बताया गया कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरता प्रभावित होती है जबकि जैविक खेती से भूमि की गुणवत्ता बनी रहती है और फसलों का उत्पादन भी बेहतर होता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिलाओं को सब्जी उत्पादन बढ़ाने के आधुनिक उपायों की जानकारी भी दी गई इसके अलावा कृषि, पशुपालन, बैकयार्ड सब्जी उत्पादन और जैविक खेती से जुड़ी विभिन्न शासकीय योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया ताकि ग्रामीण महिलाएं इन योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकें। कार्यक्रम में कृषि सीआरपी लक्ष्मी ताम्रकार, आईएफसी एंकर शारदा केवट, विकासखंड प्रबंधक चंद्रकांत सिंह, सहायक विकासखंड प्रबंधक संजीव सिंह, कृषि सीआरपी रेनू सिंह, सरोज यादव एवं बबिया बैगा की सक्रिय सहभागिता रही। प्रशिक्षकों ने महिला किसानों को खेती में नई तकनीकों के उपयोग और समूह आधारित कार्य प्रणाली के महत्व के बारे में भी जानकारी दी 42 महिला किसानों ने लिया प्रशिक्षण इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्व-सहायता समूहों से जुड़ी करीब 42 महिला किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

# ललितपुर-सिंगरौली रेल लाइन के लिए देवसर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई तेज

## रेल परियोजना के लिए चिन्हित भूमि खाली कराने पहुंचा प्रशासन, प्रभावित परिवारों ने मुआवजे की मांग को लेकर जताया विरोध

**मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली ( निप्र )।** सिंगरौली जिले के देवसर क्षेत्र में बहुप्रतीक्षित ललितपुर-सिंगरौली रेल लाइन परियोजना का निर्माण कार्य अब तेज गति से आगे बढ़ रहा है इसी क्रम में रविवार से रेलवे लाइन के लिए चिन्हित जमीनों को खाली कराने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है प्रशासनिक अमला पुलिस बल और जेसीबी मशीनों के साथ देवसर के विभिन्न गांवों में पहुंचकर निर्माण कार्य में बाधा बन रहे अतिक्रमण को हटाने में जुटा हुआ है जानकारी के अनुसार रेलवे परियोजना के लिए जिन स्थानों को चिन्हित किया गया था वहां पूर्व में संबंधित लोगों को नोटिस जारी किए जा चुके थे इसी के तहत प्रशासन द्वारा अब जमीन को खाली कराने की कार्रवाई की जा रही है ताकि परियोजना का कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सके कार्रवाई के दौरान कई स्थानों पर प्रभावित परिवारों ने विरोध भी दर्ज कराया ग्रामीणों का आरोप है कि उन्हें अभी तक मुआवजा नहीं मिला है और कुछ मामलों में न्यायालय में प्रकरण लंबित होने के बावजूद उनके मकानों एवं अन्य निर्माणों को हटाया जा रहा है इससे स्थानीय लोगों में असंतोष देखा गया ग्राम खोभा निवासी राशिद खान ने सिंगरौली कलेक्टर और देवसर एसडीएम से अपील की है कि प्रभावित परिवारों की समस्याओं को गंभीरता से सुना जाए उन्होंने कहा कि कई परिवार वर्षों से इन स्थानों पर निवास कर रहे हैं लेकिन उन्हें न तो मुआवजे की स्पष्ट जानकारी दी गई है और न ही पुनर्वास को लेकर कोई ठोस व्यवस्था बताई गई है ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को पहले सभी प्रभावितों को उचित मुआवजा और पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए उसके बाद ही निर्माण हटाने की कार्रवाई की जानी चाहिए देवसर के प्रभारी एसडीएम सुरेश झादव ने बताया कि ललितपुर-सिंगरौली रेल लाइन एक राष्ट्रीय महत्व की परियोजना है जिसके निर्माण कार्य को समय पर पूरा करना आवश्यक है उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है एसडीएम ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन लोगों के मुआवजा संबंधी प्रकरण लंबित हैं उनकी प्रक्रिया नियमों के अनुसार जारी है प्रशासन का प्रयास है कि प्रभावित लोगों की समस्याओं का समाधान करते हुए परियोजना को बिना बाधा आगे बढ़ाया जाए।

# कार-बाइक की भिड़ंत में तीन लोगों की मौत

शहडोल के ब्यौहारी में मानपुर मार्ग पर एक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक और एक युवती की मौत हो गई बेडरा गांव के पास एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को सामने से जोरदार टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और अस्पताल ले जाते समय उनकी मौत हो गई हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों की सूचना पर ब्यौहारी पुलिस और डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया इस दुर्घटना में कार सवार एक व्यक्ति को भी चोटें आई हैं पुलिस की प्रारंभिक जांच के अनुसार, तीनों मृतक ब्यौहारी थाना क्षेत्र के भन्नी गांव के रहने वाले थे वे किसी निजी कार्य से बाइक पर सवार होकर जा रहे थे तभी यह हादसा हुआ पुलिस ने मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी है।


## नाम सुधार सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मैं मोहम्मद रफीक पिता ईशा खान वार्ड क्र. 33 सूफी मस्जिद के पास घोघर रीवा (म0प्र0) का मूल निवासी हूँ, यह कि मेरे ड्राईविंग लायसेन्स क्रमांक- MP17R-2021-0162268 है जिसमें मेरा नाम सिराजुद्दीन खान पिता बद्दू खान लेख है जो गलत है जबकि मेरे आधार कार्ड, पहचान पत्र एवं समस्त दस्तावेजों में मेरा नाम मोहम्मद रफीक पिता ईशा खान है, जो सही है अत: आज दिनांक से मेरे ड्राईविंग लायसेन्स एवं समस्त दस्तावेजो में मेरा मोहम्मद रफीक पिता ईशा खान लिखा, पढ़ा व जाना जाय।

**सूचनादाता**
**मोहम्मद रफीक**

# प्रधानमंत्री की चेतावनी

संपादकीय

प्रधानमंत्री मोदी ने नीदरलैंड्स में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए वैश्विक परिस्थितियों के कारण दुनिया की बड़ी आबादी के फिर से गरीब होने की चेतावनी दी। उन्होंने कोविड, रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-ईरान संघर्ष से उपजे ऊर्जा संकट व महंगाई को इसका मुख्य कारण बताया, जिससे गरीबों पर सबसे अधिक असर पड़ेगा।

पांच देशों के अपने दौरे के तहत संयुक्त अरब अमीरत के बाद नीदरलैंड्स पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी ने वहां के भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए यह सही कहा कि यदि मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में तेजी से सुधार नहीं होता तो दुनिया की बहुत बड़ी आबादी फिर से गरीब हो जाएगी। उन्होंने यह चेतावनी देते हुए अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच युद्ध और उसके चलते होर्मुज समुद्री मार्ग बाधित होने से उपजे संकट का उल्लेख किया। उनका यह कहना भी सही है कि यह दशक आपदा का दिखता है, क्योंकि पहले कोविड महामारी ने विश्व को आर्थिक संकट में धकेला, फिर रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध शुरू हो गया।

इसके बाद इजरायल-अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य टकराव शुरू हो गया। इसके दुष्परिणामस्वरूप खाड़ी देशों से होर्मुज समुद्री मार्ग के जरिये होने वाली ऊर्जा आपूर्ति बुरी तरह बाधित हो गई। यह आपूर्ति अब तक बाधित है। इसके चलते पूरी दुनिया ऊर्जा संकट का सामना कर रही है। तेल और गैस की आपूर्ति में कमी आने के कारण लगभग सभी देशों को पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ाने पड़े हैं। पिछले दिनों भारत ने भी उनके दाम बढ़ाए। इसके आसार हैं कि आने वाले दिनों में पेट्रोल, डीजल और गैस के दाम फिर से बढ़ाने पड़ सकते हैं। पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ने से समूची अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है और महंगाई बढ़ती है। इसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव गरीबों पर पड़ता है। एक ऐसे समय जब भारत पिछले कुछ वर्षों में करोड़ों लोगों को गरीबी से उबारने में सफल हुआ है, तब इससे अधिक चिंता की बात और कोई नहीं हो सकती कि उनमें से तमाम के सामने फिर से गरीब होने का संकट खड़ा हो गया है। यह खतरा केवल भारतीयों के सामने ही नहीं, अन्य विकासशील एवं निर्धन देशों के लोगों के सामने भी है। युद्धों से केवल ऊर्जा आपूर्ति ही प्रभावित नहीं होती, बल्कि सप्लाई चेन पर भी बुरा असर पड़ता है और इसके नतीजे में भी महंगाई बढ़ती है। इसमें संदेह है कि विश्व की एक बड़ी आबादी के समक्ष संकट बढ़ जाने के बाद भी शक्तिशाली देश जिम्मेदारी का परिचय देंगे और टकराव एवं तनाव कम करने के लिए सक्रिय होंगे। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि पिछले कुछ समय में अमेरिका ने अपनी टैरिफ नीति से तमाम देशों को तंग किया है। अब यह भी स्पष्ट है कि उसने नतीजों की परवाह किए बिना इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर हमला बोल दिया।

## महंगाई, बेरोजगारी और पेपरलीक से जनता नाराज

सनत जैन

भारत इस समय सामाजिक, आर्थिक और संस्थागत चुनौतियों के ऐसे दौर से गुजर रहा है। जहां बेरोजगारी, महंगाई और पेपरलीक मामलों से युवाओं की बढ़ती निराशा गंभीर चिंता का विषय बन चुकी है। हाल ही में सुप्रीमकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की एक टिप्पणी जिसमें बेरोजगारों को काकरोच जैसे शब्द से तुलना की गई उसको लेकर देशभर में मुख्य न्यायाधीश के बयान को लेकर बहस तेज हो गई है। सोशल मीडिया, पत्रकारिता और सूचना के अधिकार से जुड़े युवाओं एवं कार्यकर्ताओं ने इस बयान को संवेदनहीन बताते हुए तीखी प्रतिक्रिया दी है। राजनीतिक दल सामाजिक कार्यकर्ता एवं वकीलों ने भी इस बयान की कड़ी आलोचना की है। यह अलग बात है कि सीजेआई ने अपने बयान पर स्पष्टीकरण भी दे दिया है। न्यायपालिका लोकतंत्र का सबसे विश्वसनीय स्तंभ है। उसके किसी भी वक्तव्य का समाज में व्यापक प्रभाव होता है। आज देश में करोड़ों की आबादी वाला बड़ा युवा वर्ग उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी रोजगार के लिए संघर्ष कर रहा है। सरकारी विभागों में लाखों पद खाली पड़े हैं। निजी क्षेत्र में रोजगार और नौकरी के अवसर सीमित होते जा रहे हैं। महंगाई और आर्थिक असमानता ने युवाओं की परेशानियों को बढ़ा दिया है। ऐसे माहौल में युवा अपनी समस्याओं को लेकर आवाज उठाते हैं। उन्हें उपेक्षा या कठोर टिप्पणियों का सामना करना पड़ता है। उनकी समस्या का कोई समाधान नहीं होता है। स्वाभाविक रूप से इससे असंतोष बढ़ता है।

इतिहास गवाह है, जब किसी भी राष्ट्र में सामाजिक असमानता, आर्थिक संकट और संस्थागत असंवेदनशीलता बढ़ती है, ऐसी स्थिति में लोग अपने जीवन यापन के लिए संघर्ष का वह सभी रास्ता चुन लेते हैं जो आमतौर पर आसान नहीं होता है। ऐसी स्थिति में ही बड़े परिवर्तन जन्म लेते हैं। अमेरिकन सिविल वार भी अमेरिका का केवल राजनीतिक संघर्ष नहीं था। अमेरिका में उस समय के आर्थिक और सामाजिक असंतुलन का परिणाम था। भारत की परिस्थितियों में जिस तरह के बदलाव देखने को मिल रहे हैं। उसकी सीधी तुलना अमेरिका के गृहयुद्ध से करना उचित नहीं है। लेकिन जिस तरह के हालात बन गए हैं उससे अवश्य हमें समझना चाहिए। लगातार बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, आधुनिक बाजारवाद, महंगी शिक्षा, महंगी स्वास्थ्य सेवा, महंगे खाद्य पदार्थों और नीट जैसी परीक्षा के पेपर लीक के कारण जिस तरह की सामाजिक निराशा देखने को मिल रही है, वह किसी भी लोकतंत्र के लिए खतरे का सबसे बड़ा संकेत है।

न्यायपालिका का दायित्व केवल कानून की व्याख्या करना ही नहीं, बल्कि संवैधानिक मूल्यों और नागरिक अधिकारों की रक्षा करना भी है। आम नागरिक, विशेषकर गरीब और बेरोजगार युवा, न्यायपालिका को अंतिम उम्मीद के रूप में देखते हैं। इसलिए न्यायिक पदों पर बैठे व्यक्तियों के शब्दों में संवेदनशीलता, संतुलन और सामाजिक जिम्मेदारी का होना अत्यंत आवश्यक है। सरकार, न्यायपालिका और समाज– तीनों को मिलकर यह समझना होगा, लोकतंत्र केवल आर्थिक विकास से मजबूत नहीं होता है। बल्कि नागरिकों के सम्मान, समान अवसर और न्याय और नैतिकता से मजबूत होता है। युवाओं को रोजगार, शिक्षा और न्याय की उम्मीद होगी, तभी देश में सामाजिक स्थिरता और विकास की दिशा में आगे बढ़ सकेगा। भारत आज सबसे बड़ी युवा आबादी वाला पढ़ा लिखे युवाओं का देश है। जिस तरह के हालात देखने को मिल रहे हैं यह सामान्य नहीं हैं। ऐसी स्थिति में भारत को सोच समझकर बड़ी जिम्मेदारी एवं जवाबदेही के साथ इस मुश्किल स्थिति से बाहर निकलना होगा। अन्यथा इसके दुष्परिणाम किसी भी रूप में सामने आ सकते हैं।

# सांस्कृतिक धरोहरों की सुरक्षा में संग्रहालयों की नई चुनौतियां

**संग्रहालयों के महत्व, इनके इतिहास, इनकी संस्कृति और विरासत के संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने के क्रम में प्रतिवर्ष 18 मई को अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस (इंटरनेशनल म्यूजियम डे) मनाया जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि संग्रहालय केवल पुरानी वस्तुओं का भंडार ही नहीं होते हैं, बल्कि ये शिक्षा, शोध और सांस्कृतिक संवाद के महत्वपूर्ण केंद्र होते हैं। सरल शब्दों में कहें तो संग्रहालय केवल अतीत की स्मृतियों के संरक्षक नहीं, बल्कि शिक्षा, शोध, सामाजिक संवाद और मानवता को जोड़ने वाले सशक्त माध्यम भी हैं। तेजी से बदलती दुनिया में संग्रहालय हमारी पहचान, संस्कृति और ज्ञान को सुरक्षित रखने का अमूल्य कार्य कर रहे हैं। पाठकों को बताता चलूं कि इस दिवस की शुरुआत वर्ष 1977 में इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ म्यूज़ियम्स द्वारा की गई थी। संग्रहालय किसी भी देश की असली सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक धरोहर होते हैं, जो हमें तत्कालीन इतिहास, उस समय विशेष की कला और सभ्यता का परिचय देते हैं अथवा उससे रूबरू करवाते हैं।**

सुनील कुमार महला

इस दिवस को मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य विभिन्न संस्कृतियों के बीच संवाद, सहयोग और शांति को बढ़ावा देने तथा नई (युवा) पीढ़ी को अपने अतीत(इतिहास) से परिचित कराना तथा ज्ञान-विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करना है। गौरतलब है कि पिछले साल इस दिवस की थीम (2025 में)-तेजी से बदलते समुदायों में संग्रहालयों का भविष्य। रखी गई थी। वास्तव में इस थीम का उद्देश्य बदलती तकनीक, समाज और पर्यावरणीय परिस्थितियों में संग्रहालयों की भूमिका को रेखांकित करना था। इस साल यानी कि वर्ष 2026 में इस दिवस की थीम - विभाजित दुनिया को जोड़ते संग्रहालय। रखी गई है।यह थीम संग्रहालयों की उस भूमिका पर केंद्रित है, जिसके माध्यम से वे समाज में संवाद, समावेश और शांति स्थापित करते हैं।बहरहाल, यदि हम यहां पर संग्रहालयों से संबंधित आंकड़ों की बात करें तो यूनेस्को के अनुसार 1975 में विश्व में लगभग 22,000 संग्रहालय थे, जबकि आज इनकी संख्या बढ़कर लगभग 95,000 से अधिक हो चुकी है। कुछ रिपोर्टों में यह संख्या लगभग 1,04,000 संग्रहालयों तक बताई गई है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ म्यूज़ियम्स के 138 से अधिक देशों में 57,000 से ज्यादा सदस्य हैं तथा अमेरिका विश्व में सबसे अधिक संग्रहालयों वाला देश माना जाता है।लूव्र म्यूज़ियम,वेटिकन म्यूज़ियम,ब्रिटिश म्यूज़ियम,मेट्रोपॉलिटन म्यूज़ियम ऑफ़ आर्ट तथा नेशनल म्यूज़ियम ऑफ़ चाइना विश्व के कुछ प्रसिद्ध संग्रहालय हैं। वहीं दूसरी ओर यदि हम भारतीय संग्रहालयों से संबंधित आंकड़ों की बात करें तो भारत में केंद्र, राज्य, निजी और विश्वविद्यालय स्तर पर मिलाकर सैकड़ों संग्रहालय संचालित हैं।भारत सरकार के अधीन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के प्रशासनिक नियंत्रण में वर्तमान में 52 पुरातात्विक साइट संग्रहालय हैं। यहां यह गौरतलब है कि देश का सबसे पुराना और एशिया का सबसे बड़ा संग्रहालय इंडियन म्यूजियम है, जिसकी स्थापना 1814 में हुई थी। उल्लेखनीय है कि इंडियन म्यूजियम भारत का सबसे पुराना और एशिया के सबसे बड़े संग्रहालयों में से एक है। इसकी स्थापना, जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि 1814 में डेनिश वनस्पतिशास्त्री डॉ. नाथेनियल वालिच द्वारा की गई थी। यह संग्रहालय कोलकाता(जवाहरलाल नेहरू रोड, कोलकाता)में स्थित है और इसे जादूघर के नाम से भी जाना जाता है। इस संग्रहालय की प्रमुख विशेषताओं की बात करें तो यहां पुरातत्व, कला, जीवाश्म, मानव विज्ञान, भूविज्ञान और प्राचीन सभ्यताओं से जुड़ी लाखों वस्तुएं सुरक्षित हैं। इतना ही नहीं,संग्रहालय की सबसे प्रसिद्ध वस्तुओं में लगभग 4000 वर्ष पुरानी मिस्र की ममी विशेष आकर्षण का केंद्र है।यहां बौद्ध स्तूप अवशेष, मुगलकालीन चित्रकला, प्राचीन सिक्के, हथियार और दुर्लभ मूर्तियां भी प्रदर्शित हैं।इसकी वास्तुकला औपनिवेशिक शैली की शानदार मिसाल मानी जाती है।संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार इस संग्रहालय की नियंत्रक संस्था है।दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, जयपुर, हैदराबाद और चेन्नई जैसे शहर संग्रहालयों के प्रमुख केंद्र हैं।कई भारतीय संग्रहालय अब डिजिटल तकनीक, वर्चुअल टूर और इंटरैक्टिव प्रदर्शनियों का उपयोग कर रहे हैं।नेशनल म्यूज़ियम,इंडियन म्यूज़ियम ,सालार जंग म्यूज़ियम,अल्बर्ट हॉल म्यूज़ियम तथा छत्रपति शिवाजी महाराज वास्तु संग्रहालय भारत के कुछ प्रमुख व प्रसिद्ध संग्रहालय हैं। बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के समय में संग्रहालयों के समक्ष बहुत सी चुनौतियां विद्यमान हैं।पाठक जानते हैं कि संग्रहालय किसी भी देश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और वैज्ञानिक विरासत के संरक्षक होते हैं, लेकिन आज बदलते समय, तकनीक और लोगों की रुचियों के कारण संग्रहालयों के सामने कई नई चुनौतियां उभर रही हैं। यदि समय रहते इनका समाधान नहीं किया गया, तो अमूल्य धरोहरों के संरक्षण पर असर

पड़ सकता है।प्रमुख चुनौतियों की बात करें तो इनमें क्रमशः वित्तीय संसाधनों की कमी( रखरखाव, सुरक्षा, संरक्षण और नई तकनीकों के उपयोग में कठिनाई), आधुनिक तकनीक का अभाव (जैसा कि अनेक संग्रहालय अभी भी पारंपरिक तरीके से संचालित हो रहे हैं), दर्शकों की घटती रुचि( जैसा कि नई पीढ़ी का झुकाव मोबाइल, इंटरनेट और मनोरंजन के आधुनिक साधनों की ओर अधिक), धरोहर संरक्षण की समस्या(पुरानी पांडुलिपियां, मूर्तियां, चित्र और ऐतिहासिक वस्तुएं समय, मौसम, प्रदूषण और नमी के कारण खराब होने लगती हैं), प्रशिक्षित विशेषज्ञों जैसे कि संरक्षण विशेषज्ञ, पुरातत्वविद, क्यूरेटर और तकनीकी कर्मचारियों की कमी,चोरी और तस्करी( दुर्लभ ऐतिहासिक वस्तुओं की चोरी और अंतरराष्ट्रीय तस्करी) संग्रहालयों के समक्ष बड़ी चुनौतियां मौजूद हैं। इतना ही नहीं,आपदा और जलवायु परिवर्तन (भूकंप, बाढ़, आग और जलवायु परिवर्तन) ऐतिहासिक धरोहरों को नुकसान पहुंचा सकती हैं, इसलिए यह भी एक बड़ी चुनौती है। हालांकि, ऐसा नहीं है इन सबका कोई समाधान नहीं है। संग्रहालयों के संरक्षण, इन्हें बचाने के आज अनेक समाधान मौजूद हैं। मसलन, पर्याप्त वित्तीय सहायता देकर इनकी हालत को काफी हद तक सुधारा जा सकता है।सरकार और निजी संस्थाएं इसके लिए आगे आ सकते हैं। आज का समय डिजिटल और आधुनिक तकनीक का समय है, ऐसे में जरुरत इस बात की है कि संग्रहालयों को इन सबसे लैस किया जाना चाहिए। मसलन वर्चुअल टूर, क्यूआर कोड, ऑडियो गाइड, 3डी डिस्प्ले और इंटरैक्टिव स्क्रीन जैसी तकनीकों का उपयोग संग्रहालयों में बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। हमें संग्रहालयों के संरक्षण के लिए अधिकाधिक युवाओं को इनसे जोड़ना होगा। मसलन, आज के समय में विद्यालयों और महाविद्यालयों के शैक्षणिक भ्रमण, प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर युवाओं में संग्रहालयों के प्रति रुचि बढ़ाई जा सकती है। सरल शब्दों में कहें तो संग्रहालयों को शैक्षणिक पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए तथा छात्रों के लिए नियमित म्यूजियम वॉक और क्विज़ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना चाहिए।तापमान नियंत्रण, आधुनिक संरक्षण प्रयोगशालाएं और नियमित रखरखाव से ऐतिहासिक वस्तुओं को सुरक्षित रखा जा सकता है। सच तो यह है कि स्मार्ट स्टोरेज और कंजर्वेशन लैब की आवश्यकता है, ताकि कलाकृतियां लंबे समय तक सुरक्षित रह सकें।कुल मिलाकर आज संग्रहालयों का वैज्ञानिक संरक्षण आवश्यक है। संग्रहालयों के संरक्षण के लिए कर्मचारियों और शोधकर्ताओं के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा नए विशेषज्ञों की नियुक्ति भी बहुत आवश्यक है। इतना ही नहीं, संग्रहालयों में हमें सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूत करना होगा। मसलन, सीसीटीवी, डिजिटल रिकॉर्ड और आधुनिक सुरक्षा प्रणालियों से संग्रहालयों से चोरी और तस्करी पर रोक लगाई जा सकती है।सख्त सुरक्षा ऑडिट के तहत आधुनिक फायर अलार्म, वाटर-स्प्रिंकलर (जो कलाकृतियों को नुकसान न पहुंचाएं) और 24×7 हाई-टेक निगरानी प्रणाली लागू की जानी चाहिए। केवल वस्तुओं को शोकेस में रखने के बजाय, उनके पीछे की कहानियों को स्टोरीटेलिंग और लघु फिल्मों के माध्यम से जीवंत किया जा सकता है। मतलब यह है कि जीवंत प्रदर्शनियां संग्रहालयों के संरक्षण की दिशा में बहुत ही उपयोगी साबित हो सकतीं हैं।जनभागीदारी(स्थानीय समुदाय, इतिहास प्रेमियों तथा छात्रों) बढ़ाना एक अन्य आवश्यक तत्व है। सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी मॉडल) के तहत कॉर्पोरेट घरानों को कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत संग्रहालयों को गोद लेने या विशिष्ट दीर्घाओं को प्रायोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।संग्रहालयों के भीतर आधुनिक कैफे, बुकस्टोर और कलाकृतियों की प्रतिकृतियां बेचने वाली दुकानें खोली जा सकतीं हैं। अंत में, यही कहूंगा कि संग्रहालय केवल पुरानी वस्तुओं के भंडार नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता, संस्कृति और पहचान के जीवंत केंद्र हैं। आधुनिक चुनौतियों के बीच इन्हें तकनीक, जनभागीदारी और प्रभावी संरक्षण नीतियों के माध्यम से सशक्त बनाना समय की आवश्यकता है। इतना ही नहीं,आज संग्रहालयों को अपनी रूढ़िवादी छवि से बाहर निकलकर एक सांस्कृतिक हब के रूप में खुद को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। तकनीक, रचनात्मकता और कुशल प्रबंधन के समन्वय से संग्रहालय न केवल हमारी धरोहर को सुरक्षित रख सकते हैं, बल्कि देश के पर्यटन और अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। हमें यह याद रखना चाहिए कि यदि संग्रहालय सुरक्षित रहेंगे, तो हमारी आने वाली पीढ़ियां भी अपने इतिहास और विरासत से जुड़ी रहेंगी।

# अहंकार सत्ता और युद्ध का कारण

**भगवान राम को किसी बात का अहंकार नहीं था ।. श्रीराम तो सर्वज्ञ थे, किन्तु रावण को ज्ञान के साथ-साथ शक्ति और और सत्ता का अहंकार था अविनम्र आदमी ही अहंकारी होता है, विनम्र आदमी नहीं वस्तुतः जिस आदमी का अहंकार आ गया वो क्रोध लोभ मोह से घिर जाता है। जिसका सत्ता का अहंकार हो गया वह सत्ता मात्र एक समय के लिए होता है।लेकिन सत्ता को बनाये रखने के लिए युद्ध तक करता है क्योंकि उसे यह ज्ञान नहीं है कि सत्ता जो मिली है आज हमारे पास है कल किसी और के पास होगा।**

संजय गोस्वामी

अहंकार पर आपकी चोट एकदम सटीक है। वेदांत का पहला और आखिरी पुरुषार्थ अहं-वृत्ति को साक्षी-भाव से देखना ही है। मृत्यु, भोग, सोशल मीडिया का भ्रम – ये सब अहंकार के ही खेल हैं। काल का स्मरण कराना और युवाओं को भोग से परे देखने को कहना, यह ऋषि-परंपरा है। पर वेदांत सब अहंकार ही है कहकर रुकता नहीं। वो कहता है – अहंकार मिथ्या है, पर उसका आधार ब्रह्म सत्य है। शास्त्र को फेंक नहीं देते, नाव की तरह पार उतरकर छोड़ते हैं। ब्रह्म को शक्तिहीन अनजान कहना स्वयं अहंकार की भाषा है, क्योंकि ब्रह्म न शक्त है न अशक्त – वह शक्ति का अधिष्ठान है। आत्मा-परमात्मा घटित नहीं होते, वे नित्य-सिद्ध हैं; सिर्फ अहंकार का पर्दा हटता है। जातस्य हि ध्रुवो मृत्युर्ध्रुवं जन्म मृतस्य च । तस्मादपरिहार्येऽर्थे न त्वं शोचितुमर्हसि ॥ हि = कारण कि, जातस्य = पैदा हुएकी, ध्रुवः = जरूर, मृत्युः = मृत्यु होगी, च = और, मृतस्य = मरे हुएका, ध्रुवम् = जरूर, जन्म = जन्म होगा, तस्मात् = अतः, (इस जन्म-मरण रूप परिवर्तनके प्रवाहका) निवारण नहीं हो सकता, अर्थे = (अतः) इस विषयमें, त्वम् = तुम्हें, शोचितुम् = शोक, न = नहीं, अर्हसि = करना चाहिये। व्याख्या- जातस्य हि ध्रुवो मृत्युर्ध्रुवं जन्म मृतस्य च - पूर्वश्लोकके अनुसार अगर शरीरीको नित्य जन्मने और मरनेवाला भी मान लिया जाय, तो भी वह शोकका विषय नहीं हो सकता। कारण कि जिसका जन्म हो गया है, वह जरूर मरेगा और जो मर गया है, वह जरूर जन्मेगा। न त्वं तस्मादपरिहार्येऽर्थे शोचितुमर्हसि - इसलिये कोई भी इस जन्म- मृत्युरूप प्रवाहका परिहार (निवारण) नहीं कर सकता; क्योंकि इसमें किसीका किंचिन्मात्र भी वश नहीं चलता। यह जन्म-मृत्युरूप प्रवाह तो अनादिकालसे चला आ रहा है और अनन्तकालतक चलता रहेगा। इस दृष्टिसे तुम्हारे लिये शोक करना उचित नहीं है। ये धृतराष्ट्रके पुत्र जन्में हैं, तो जरूर मरेंगे। तुम्हारे पास ऐसा कोई उपाय नहीं है, जिससे तुम उनको बचा सको। जो मर जायँगे, वे जरूर जन्मेंगे। उनको भी तुम रोक नहीं सकते। फिर शोक किस बातका शोक उसीका कीजिये, जो अनहोनी होय। अनहोनी होती नहीं, होनी है सो होय ॥ जैसे, इस बातको सब जानते हैं कि सूर्यका उदय हुआ है, तो उसका अस्त होगा ही और अस्त होगा तो उसका उदय होगा ही। इसलिये मनुष्य सूर्यका अस्त होनेपर शोक-चिन्ता नहीं करते। ऐसे ही हे अर्जुन ! अगर तुम ऐसा मानते हो कि शरीरके साथ ये भीष्म, द्रोण आदि सभी मर जायँगे, तो फिर शरीरके साथ जन्म भी जायँगे। अतः इस दृष्टिसे भी शोक नहीं हो सकता। भगवान् राम ने इन दो (छब्बीसवें-सत्ताईसवें) श्लोकोंमें जो बात कही है, वह भगवान् का कोई वास्तविक सिद्धान्त नहीं है। अतः अथ च पद देकर भगवान् ने दूसरे (शरीर-शरीरीको एक माननेवाले) पक्षकी बात कही है कि ऐसा सिद्धान्त तो है नहीं, पर अगर तू ऐसा भी मान ले, तो भी शोक करना उचित नहीं है। इन दो श्लोकोंका तात्पर्य यह हुआ कि संसारकी मात्र चीजें प्रतिक्षण परिवर्तनशील होनेसे पहले रूपको छोड़कर दूसरे रूपको धारण करती रहती हैं। इसमें पहले रूपको छोड़ना-यह मरना हो गया और दूसरे रूपको धारण करना-यह जन्मना हो गया। इस प्रकार जो जन्मता है, उसकी मृत्यु होती है और जिसकी मृत्यु होती है, वह फिर जन्मता है- यह प्रवाह तो हरदम चलता ही रहता है। परिशिष्ट भाव - किसी प्रियजनकी मृत्यु हो जाय, धन नष्ट हो जाय तो मनुष्यको शोक होता है। ऐसे ही भविष्यको लेकर चिन्ता होती है । ये शोक-चिन्ता अपने विवेकको महत्त्व न देनेके कारण ही होते हैं।इसलिए भगवान राम का नाम, राम नाम सत्य है लिया जाता है संसारमें परिवर्तन होना, परिस्थिति बदलना आवश्यक है। अगर परिस्थिति नहीं बदलेगी तो संसार कैसे चलेगा मनुष्य बालकसे जवान कैसे बनेगा मूर्खसे विद्वान् कैसे बनेगा रोगीसे नीरोग कैसे बनेगा बीजका वृक्ष कैसे बनेगा परिवर्तनके बिना संसार स्थिर चित्रकी तरह बन जायगा ! वास्तवमें मरनेवाला (परिवर्तनशील) ही मरता है, रहनेवाला कभी मरता ही नहीं। यह सबका प्रत्यक्ष अनुभव है कि मृत्यु होनेपर शरीर तो हमारे सामने पड़ा रहता है, पर शरीरका मालिक (जीवात्मा) निकल जाता है। अगर इस अनुभवको महत्त्व दें तो फिर चिन्ता-शोक हो ही नहीं सकते। बालिके मरनेपर भगवान् राम इसी अनुभवकी ओर ताराका लक्ष्य कराते हैं- तारा बिकल देखि रघुराया । दीन्ह ग्यान हरि लीन्ही माया ॥ छिति जल पावक गगन समीरा । पंच रचित अति अधम सरीरा ॥ प्रगट सो तनु तव आगें सोवा । जीव नित्य केहि लगि तुम्ह रोवा ॥ उपजा ग्यान चरन तब लागी। लीन्हेसि परम भगति बर माँगी ॥ (मानस, किष्किन्धा0 11।2-3) विचार करना चाहिये कि जब चौरासी लाख योनियोंमें कोई भी शरीर नहीं रहा, तो फिर यह शरीर कैसे रहेगा जब चौरासी लाख शरीर मैं-मेरे नहीं रहे, तो फिर यह शरीर मैं-मेरा कैसे रहेगा यह विवेक मनुष्य-शरीरमें हो सकता है, अन्य शरीरोंमें नहीं। सम्बन्ध-पीछेके दो श्लोकोंमें पक्षान्तरकी बात कहकर अब भगवान् आगेके श्लोकमें बिलकुल साधारण दृष्टिकी बात कहते हैं। यहां वहां इसकी उसकी किसी की बात में न भरमाए। राम की साधना से ही सारे साधक संजीवनी से सारे भेद माया ईश्वर की अहेतु की कृपा पाए। सहीः ब्रह्म के सिवा दूसरा कुछ है ही नहीं –और ब्रह्म भगवान राम ही है एकमेवाद्वितीयम् श्रुति-प्रमाण है। : जीव-भाव में फँसने वाला ब्रह्म से भिन्न दूसरा कोई है – यह द्वैत-भ्रम है। फँसता कोई 'दूसरा' नहीं, ब्रह्म ही अविद्या से स्वयं को जीव मान लेता है। समुद्र ही लहर बनकर खुद को छोटा मान ले तो दोष समुद्र का नहीं, लहर की भूल का है – वैसे ही ब्रह्म ही जीव-भाव में फँसता-सा दिखता है, वास्तव में फँसने वाला कोई दूसरा नहीं है। -राम ही ब्रह्म है। जो हर के आत्मा में हैं लेकिन अच्छी शक्ति वाले में उभर आती है और बुरा कर्म करने वाले को रोकता है लेकिन अयम् आत्मा ब्रह्म – ये आत्मा ही ब्रह्म है। मन ब्रह्म नहीं है। मन प्रकृति का हिस्सा है, जड़ है, बदलता रहता है। आत्मा चेतन है, अपरिवर्तनशील है। - *संतमत/कबीरपंथ*: आत्मा ब्रह्म का अंश नहीं, पारब्रह्म/सत्पुरुष का अंश है। मन काल-निरंजन की देन है, ब्रह्म/काल का एजेंट है। मन ब्रह्म नहीं, बंधन है। *अद्वैत वेदांत*: ब्रह्म एक ही है। पारब्रह्म, परब्रह्म, ब्रह्म – ये सब उसी एक सत्ता के नाम हैं व जो भगवान राम हैं । दो नहीं हैं।शास्त्रों के अनुसार रामजी परमार्थस्वरूप (परमवस्तु) परब्रह्म हैं। वे अविगत (जानने में न आने वाले) अलख (स्थूल दृष्टि से देखने में न आने वाले), अनादि (आदिरहित), अनुपम (उपमारहित) सब विकारों से रहति और भेद शून्य हैं, वेद जिनका नित्य नेति-नेति कहकर निरूपण करते हैं ।

# संगठन मजबूत करने भाजपा ने रमतला में लगाया दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर

## 200 कार्यकर्ताओं को दी जा रही आवासीय ट्रेनिंग, बूथ स्तर पर जनसंवाद बढ़ाने का लक्ष्य

**मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)।** छत्तीसगढ़ में जिला भाजपा (ग्रामीण) ने संगठन को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से रमतला में दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया इस शिविर में जिले भर से 200 चुनिंदा जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है प्रशिक्षण के बाद इन कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर जनसंवाद को सक्रिय रूप से बढ़ाने का लक्ष्य दिया गया है। भाजपा नेतृत्व के अनुसार पार्टी के लिए वैश्विक संकट और राजनीतिक चुनौतियों के दौर में जनाधार को बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है आगामी दो सालों में होने वाले चुनावों को ध्यान में रखते हुए भाजपा राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों को विशेष महत्व दे रही है इस प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन छत्तीसगढ़ खाद्य एवं आपूर्ति विकास निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने किया इस अवसर पर कई प्रमुख नेता उपस्थित रहे जिनमें संभाग सह प्रभारी अनुराग शुक्ला, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, जिलाध्यक्ष मोहित जायसवाल और पूर्व मंत्री डॉ. कृष्णमूर्ति बांधी शामिल थे। प्रशिक्षण शिविर में पार्टी की हाईटेक प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें भाजपा के संस्थापक सदस्यों, विचार परिवार, केंद्र और राज्य सरकारों की उपलब्धियों, और पार्टी के इतिहास और विकास को दर्शाया गया यह प्रदर्शनी कार्यकर्ताओं को संगठन की यात्रा और उपलब्धियों से परिचित कराने का माध्यम बनी वर्ग प्रभारी संजय श्रीवास्तव ने कहा कि प्रशिक्षण की रूपरेखा राष्ट्रीय स्तर पर तैयार की गई है। इसे प्रदेश, जिला और मंडल स्तर से होते हुए शक्ति केंद्र स्तर तक पहुँचाया जाएगा उन्होंने कहा कि भाजपा की स्थापना के 47 वर्षों की यात्रा विभिन्न पड़ावों से गुजरते हुए आज यह विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में उभरी है संजय श्रीवास्तव ने यह भी बताया कि 1951 में नेहरू सरकार में उद्योग मंत्री रहे डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की अध्यक्षता में जनसंघ की स्थापना हुई थी लंबी संघर्ष यात्रा के बाद यही संगठन भाजपा के रूप में आगे बढ़ा और आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र के साथ-साथ 22 राज्यों में भाजपा नीत एनडीए गठबंधन की सरकारें हैं प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य केवल संगठन को मजबूत करना ही नहीं है बल्कि कार्यकर्ताओं को जनसंपर्क और बूथ स्तर पर जनता के मुद्दों को समझने की क्षमता भी देना है संगठन का मानना है कि इस प्रकार के प्रशिक्षण भाजपा के स्तर पर जनाधार को और सशक्त बनाएंगे इस कार्यक्रम के माध्यम से पार्टी कार्यकर्ता सकारात्मक सोच, रणनीतिक योजना और प्रभावी जनसंपर्क के तरीकों से अपने क्षेत्रों में जनता से संपर्क करेंगे संगठन के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि भविष्य में ऐसे प्रशिक्षण शिविरों की संख्या बढ़ाई जाएगी ताकि पूरे जिले और राज्य में संगठनात्मक मजबूती सुनिश्चित हो सके।

## मनेन्द्रगढ़ में ट्रैफिक, पार्किंग सुधारने की मांग,व्यापारियों ने कलेक्टर से की मुलाकात

**मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)।** जिला मुख्यालय मनेन्द्रगढ़ शहर की विभिन्न समस्याओं को लेकर व्यापारी संगठन चेम्बर ऑफ कॉमर्स एवं कैट संस्था के पदाधिकारियों ने कलेक्टर संतन देवी जांगड़े से मुलाकात की उन्होंने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के समाधान की मांग की इस दौरान शहर की यातायात व्यवस्था, पार्किंग, ठेला व्यवसायियों के लिए स्थान निर्धारण और सीसीटीवी व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा हुई व्यापारी प्रतिनिधियों ने बताया कि शहर में लगातार बढ़ती ट्रैफिक समस्या के कारण आम लोगों और व्यापारियों को परेशानी हो रही है मुख्य बाजार क्षेत्र में अव्यवस्थित पार्किंग और सड़क किनारे ठेलों के कारण अक्सर जाम की स्थिति बन जाती है संगठनों ने प्रशासन से ठेला और फुटपाथ व्यवसाय करने वालों के लिए उचित स्थान निर्धारित करने की मांग की इससे यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहेगी और छोटे व्यापारियों को भी असुविधा नहीं होगी उन्होंने बाजार क्षेत्र में पार्किंग स्थल चिन्हित करने और दुकानदारों को निर्धारित सीमा के भीतर ही दुकान लगाने के निर्देश देने का भी आग्रह किया व्यापारियों ने शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों की खराब स्थिति को सुधारने की भी मांग की उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए कैमरों का सुचारू रूप से संचालित होना आवश्यक है कलेक्टर संतन देवी जांगड़े ने व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी बिंदुओं पर विचार कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी ।

# सिम्स को मिली अत्याधुनिक अल्ट्रासाउंड और सीटीजी मशीनें, मरीजों को मिलेगा बेहतर उपचार

## सीएमपीडीआई के सीएसआर फंड से उपलब्ध कराई गईं मशीनें हाई रिस्क प्रेग्नेंसी की निगरानी होगी और अधिक आसान

**मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)।** सिम्स छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में अब मरीजों की जांच और उपचार सुविधाएं और अधिक आधुनिक हो जाएंगी। शनिवार को अस्पताल को उच्च क्षमता वाली अल्ट्रासाउंड मशीन और सीटीजी (कार्डियोटोकोग्राफी) मशीनें उपलब्ध कराई गईं इन मशीनों के माध्यम से मरीजों की शारीरिक जांच अधिक सटीकता और स्पष्टता के साथ की जा सकेगी ये अत्याधुनिक मशीनें सीएमपीडीआई (सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट) द्वारा अपने सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) मद से उपलब्ध कराई गई हैं इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कलेक्टर डॉ. संजय अग्रवाल भी मौजूद रहे उन्होंने कहा कि आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है और इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं कलेक्टर डॉ. संजय अग्रवाल ने कहा कि सिम्स में लगातार नई तकनीक और आधुनिक चिकित्सा उपकरणों को शामिल किया जा रहा है ताकि मरीजों को महानगरों जैसी उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर ही मिल सकें उन्होंने सीएमपीडीआई के सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में सीएसआर के माध्यम से इस प्रकार की भागीदारी समाज के लिए प्रेरणादायक है नई अल्ट्रासाउंड मशीन की मदद से विभिन्न रोगों की जांच अधिक स्पष्ट और तेजी से हो सकेगी इससे चिकित्सकों को बीमारी की पहचान करने और समय पर उचित उपचार देने में सुविधा मिलेगी अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि इस सुविधा से रोजाना बड़ी संख्या में आने वाले मरीजों को राहत मिलेगी और जांच के लिए बाहर जाने की आवश्यकता कम होगी। कार्यक्रम के दौरान सीएमपीडीआई प्रबंधन ने सिम्स प्रशासन को एमओए (मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट) की प्रति भी सौंपी अस्पताल में स्थापित की गई सीटीजी मशीन गर्भवती महिलाओं और गर्भस्थ शिशु की हृदय गति एवं स्वास्थ्य की निरंतर निगरानी में सहायक होगी विशेषज्ञों के अनुसार यह मशीन विशेष रूप से हाई रिस्क प्रेग्नेंसी के मामलों में बेहद उपयोगी साबित होगी इसके जरिए समय रहते चिकित्सकीय निर्णय लेना आसान होगा जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने में मदद मिलेगी सिम्स प्रबंधन ने बताया कि अस्पताल में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार का कार्य लगातार जारी है आने वाले समय में और भी नई मशीनें तथा तकनीकें शामिल की जाएंगी।

## मोहासा औद्योगिक क्षेत्र में अवैध उत्खनन पर प्रशासन सख्त, मिट्टी से भरा डंपर जब्त

**मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)।** नर्मदापुरम के मोहासा औद्योगिक क्षेत्र स्थित दावत प्लांट की साइट पर मजदूर का शव मिलने के बाद प्रशासन ने अवैध उत्खनन और मिट्टी परिवहन के मामले में सख्ती शुरू कर दी है राजस्व और खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए मिट्टी परिवहन में लगे एक डंपर को जब्त किया है यह डंपर उसी स्थान से पकड़ा गया जहां से करीब 100 मीटर दूरी पर मिट्टी के बड़े-बड़े ढेर लगाए गए थे इन्हीं ढेरों में दबा मजदूर अतुल यादव का शव बरामद हुआ था घटना के बाद प्रशासन ने पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। जिला खनिज अधिकारी देवेश मरकाम, नायब तहसीलदार सुनील गढ़वाल, खनिज निरीक्षक कृष्णकांत परस्ते और पुलिस टीम ने दावत प्लांट साइट से लगभग दो किलोमीटर दूर स्थित मकोडिया गांव में निरीक्षण किया जांच के दौरान एक किसान हरो बाई के खेत में समतलीकरण के नाम पर अनुमति ली गई थी लेकिन मौके की नपती में करीब 1100 घनमीटर क्षेत्र में अवैध मिट्टी उत्खनन पाया गया खनिज अधिकारी देवेश मरकाम ने बताया कि इसी स्थान से अवैध रूप से मिट्टी निकालकर मोहासा स्थित दावत प्लांट में डाली जा रही थी।

## तोरवा पुलिस ने 10 फरार वारंटियों को पकड़ा,जमानत पर छूटने के बाद नहीं हो रहे थे पेश , कोर्ट ने भेजा जेल

**मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)।** बिलासपुर के तोरवा थाना पुलिस ने विशेष अभियान चलाकर जमानत पर छूटे 10 फरार वारंटियों को गिरफ्तार किया है ये सभी आरोपी कोर्ट में नियमित पेशी पर नहीं पहुंच रहे थे जिसके बाद न्यायालय ने उनके खिलाफ वारंट जारी किए थे शनिवार को पुलिस ने शहर के अलग-अलग इलाकों में छापेमार कार्रवाई की इस दौरान 8 गैर-जमानती और 2 जमानती वारंट तामील किए गए गिरफ्तार सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार सभी आरोपी पहले अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार होकर जेल जा चुके थे बाद में उन्हें सशर्त जमानत मिली थी लेकिन इसके बावजूद वे कोर्ट में पेश नहीं हो रहे थे लगातार अनुपस्थित रहने के कारण न्यायालय ने उनके खिलाफ वारंट जारी किए थे और तोरवा पुलिस को कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे।

इन आरोपियों को किया गया गिरफ्तार: गिरफ्तार आरोपियों में अमर ध्रुव (30) निवासी देवरीडीह, रोहित ध्रुव (24) निवासी देवरीखुर्द, देवेंद्र सिंह ठाकुर (30) निवासी देवरीखुर्द, छोटू उर्फ रितेश रजक (27) निवासी तोरवा बस्ती, अल्हा रजक (19) निवासी तोरवा, प्रकाश दास (19) निवासी अटल आवास देवरीखुर्द, अमर रजक (36) निवासी तोरवा, विशाल ध्रुव (29) निवासी तोरवा बस्ती और संजय केंवट (37) निवासी दोमुंहानी, तोरवा शामिल हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर चलाए गए इस अभियान में तोरवा पुलिस ने फरार वारंटियों की तलाश कर उन्हें गिरफ्तार किया न्यायालय ने इन फरार वारंटियों के विरुद्ध गैर-जमानती और जमानती वारंट जारी कर तोरवा पुलिस को तामीली के लिए निर्देशित किया था।

## कोल्ड्रिंक्स फ्रिजर का कंप्रेशर फटने से लगी आग, फायर ब्रिगेड ने एक घंटे की मशक्कत के बाद काबू पाया

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)।** शिवपुरी शहर के देहात थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक स्टॉल में आग लग गई हादसे का कारण कोल्ड्रिंक्स कंपनी के फ्रिजर का कंप्रेशर फटना बताया जा रहा है आग की लपटों ने दुकान में रखे लाखों रुपए के सामान को पूरी तरह जला दिया। जानकारी के अनुसार पुरानी शिवपुरी निवासी रविंद्र खेमरिया मुक्ति धाम के सामने चाय कोल्ड्रिंक्स और परचून की दुकान चलाते हैं शनिवार रात लगभग 11 बजे दुकान बंद होने के बाद अचानक फ्रिजर का कंप्रेशर फट गया धमाके की आवाज इतनी जोरदार थी कि स्टॉल का एक हिस्सा टूट गया और आग तेजी से फैल गई आग की लपटें देखकर राहगीरों ने तुरंत डायल 112 को सूचना दी घटना स्थल पर पुलिस और फायर ब्रिगेड तुरंत पहुंचे फायर ब्रिगेड ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया इस दौरान दुकान संचालक रविंद्र खेमरिया भी घटनास्थल पर पहुंचे हालांकि आग पर नियंत्रण पाया गया लेकिन तब तक दुकान में रखा अधिकांश सामान जलकर राख हो चुका था दुकान संचालक रविंद्र खेमरिया ने बताया कि इस आगजनी में उन्हें करीब दो लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

# सनघटा डैम में लापरवाही पर सख्ती,बालाजी क्रेशर सील, 4 हजार घनमीटर गिट्टी और मशीनें जब्त

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)।** शिवपुरी जिले के पिछोर क्षेत्र में निर्माणाधीन सनघटा डैम परियोजना में प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है कलेक्टर अर्पित वर्मा के औचक निरीक्षण के बाद खनिज विभाग ने बालाजी क्रेशर को सील कर दिया मौके से लगभग 4 हजार घनमीटर गिट्टी एक पोकलेन मशीन और एक हाइड्रा मशीन जब्त की गई। कलेक्टर वर्मा ने शनिवार को परियोजना स्थल का निरीक्षण किया और डैम, पंप स्टेशन और डिस्ट्रीब्यूशन लाइन के निर्माण कार्यों का जायजा लिया निरीक्षण के दौरान निर्माण सामग्री की गुणवत्ता खराब पाई गई जिस पर उन्होंने नाराजगी जताई और खनिज विभाग को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए कलेक्टर ने कहा, विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा उनके निर्देशों के बाद खनिज अधिकारी के मार्गदर्शन में खनिज निरीक्षक सोनू श्रीवास अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आवश्यक कार्रवाई की। खनिज विभाग की टीम ने क्रेशर स्थल से लगभग 4,000 घनमीटर गिट्टी जब्त की। साथ ही एक पोकलेन मशीन और हाइड्रा मशीन भी ज़ब्त की गई। प्रशासन के अनुसार क्रेशर को कलेक्टर के अगले आदेश तक बंद रखा जाएगा इस कार्रवाई से क्षेत्र में सतर्कता बढ़ गई है अधिकारी कह रहे हैं कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अब अन्य परियोजनाओं पर भी निगरानी बढ़ाने की संभावना है।

विशेषज्ञों के अनुसार यह कदम यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि सरकारी निर्माण परियोजनाओं में गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की अनदेखी न हो स्थानीय जनता ने भी प्रशासन की इस कार्रवाई की सराहना की है और उम्मीद जताई है कि भविष्य में ऐसे लापरवाह कार्यों पर कड़ी कार्रवाई होती रहेगी कलेक्टर वर्मा ने पुन: सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे निर्माण कार्यों में मानक गुणवत्ता और नियमों का पालन सुनिश्चित करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त न किया जाए।

## एसडीएम कार्यालय कर्मचारी यूपीआई ठगी का शिकार बैंक खातों से 1.96 लाख रुपए निकले

**मीडिया ऑडीटर, पिपरिया (निप्र)।** पिपरिया में एसडीएम कार्यालय के एक आउटसोर्स कर्मचारी रितेश विश्वकर्मा के बैंक खातों से यूपीआई के जरिए 1 लाख 96 हजार रुपए की धोखाधड़ी हुई है पीड़ित ने शनिवार को मंगलवार थाने में इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई है रितेश विश्वकर्मा ने पुलिस को बताया कि उनके दो बैंक खातों से यूपीआई के माध्यम से दो बार में कुल 1 लाख 96 हजार रुपए निकाले गए हैं उन्होंने धोखाधड़ी करने वालों के नाम भी बैंक विवरण से सामने आने पर पुलिस को उपलब्ध कराए हैं। थाना प्रभारी गिरीश त्रिपाठी ने शिकायत मिलने की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी त्रिपाठी ने आवेदक को नर्मदापुर स्थित साइबर कार्यालय में भी शिकायत दर्ज कराने का सुझाव दिया है थाना प्रभारी ने नागरिकों से ऑनलाइन लेनदेन में विशेष सावधानी बरतने का आग्रह किया है उन्होंने सलाह दी कि मोबाइल पर आने वाले किसी भी संदिग्ध मैसेज या फोन कॉल पर पूरी तरह विश्वास न करें और उसे सत्यापित करें पुलिस के अनुसार बैंक कभी भी व्यक्तिगत जानकारी या ओटीपी नहीं मांगता है इसलिए इन्हें किसी के साथ साझा न करें नागरिकों को किसी भी एपीके फाइल को खोलने या संदिग्ध लिंक पर क्लिक करके कुछ भी डाउनलोड करने से बचना चाहिए पुलिस ने ऑनलाइन धोखाधड़ी से सुरक्षित रहने के लिए अत्यधिक सावधानी बरतने पर जोर दिया है।

## बैराड़ थाना क्षेत्र के खद्द गांव में पुराने विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया, पुलिस ने दर्ज की क्रॉस एफआईआर

**मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)।** शिवपुरी जिले के बैराड़ थाना क्षेत्र के खद्द गांव में पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई इस दौरान गड़ासी और लाठी-डंडों का इस्तेमाल किया गया। घटना में दोनों पक्षों के लगभग 6 से 7 लोग घायल हुए जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर क्रॉस केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार लगभग आठ महीने पहले एक पक्ष का युवक दूसरे पक्ष की बहू को ले गया था पुलिस ने महिला को बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया था इसके बाद से दोनों परिवारों में तनाव और रंजिश लगातार बनी हुई थी खद्द गांव निवासी बृजमोहन यादव ने बताया कि शनिवार सुबह लगभग 9 बजे वह अपने भाई सियाराम यादव के साथ खेत में पानी की मोटर चालू करने गए थे इसी दौरान गांव के ऐवरन यादव, वीरू यादव, सिंधिया यादव और मेघसिंह यादव वहां पहुंचे बृजमोहन के अनुसार ऐवरन यादव बंदूक लेकर आया था और सभी आरोपी पुराने विवाद को लेकर गाली-गलौज करने लगे। झगड़े की आवाज सुनकर बृजमोहन के भाई रामहेत यादव, भाभी सेवा यादव, और भतीजे लोकेन्द्र व राजेन्द्र यादव मौके पर पहुंचे। आरोप है कि इसी दौरान आरोपियों ने गड़ासी से हमला किया जिसमें सियाराम यादव के सिर सेवा यादव के हाथ रामहेत यादव के माथे और हाथ लोकेन्द्र यादव के कंधे और पैर तथा राजेन्द्र यादव के सिर में चोटें आईं। बीच-बचाव करने पहुंचे बृजमोहन यादव भी घायल हो गए पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और दोनों पक्षों के खिलाफ क्रॉस एफआईआर दर्ज की सभी घायलों का इलाज जिला अस्पताल में जारी है अधिकारियों ने बताया कि घटना की पूरी जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

# नर्मदापुरम में कलेक्टर और एसपी ने सुनीं वार्डवासियों की समस्याएं, गंदे पानी और सुरक्षा व्यवस्था पर भी दिए निर्देश

**मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)।** नर्मदापुरम के चक्कर रोड चौराहे पर प्रशासन आपके द्वार कार्यक्रम के तहत रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में कलेक्टर सोमेश मिश्रा और एसपी सांई कृष्णा एस थोटा ने वार्ड क्रमांक 11, 12, 13 और 14 के निवासियों की समस्याएं सुनीं। कार्यक्रम में अवैध शराब बिक्री, गंदे पानी की आपूर्ति साफ-सफाई और पट्टों से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आईं चौपाल के दौरान महिलाओं ने बताया कि गली-मोहल्लों में खुलेआम अवैध शराब बेची जा रही है उनका आरोप था कि फोन पर ऑर्डर और ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से युवकों द्वारा घरों तक शराब पहुंचाई जा रही है शिकायत सुनते ही कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सख्त रुख अपनाया और टीआई सौरभ पांडे को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस टीम बताई गई ओम किराना 'दुकान पर पहुंची और तलाशी अभियान चलाया, लेकिन वहां से शराब बरामद नहीं हुई हालांकि चौपाल में शराब से जुड़ी कई शिकायतें सामने आने के बावजूद आबकारी विभाग के अधिकारियों की अनुपस्थिति चर्चा का विषय रही वार्ड 11 की निवासी ऊषा बाबरिया ने नलों से मटमैला और पीने योग्य नहीं होने वाला पानी आने की शिकायत दर्ज कराई। इस पर कलेक्टर ने नगर पालिका सीएमओ को निर्देश दिए कि वे अपना पेयजल प्रभारी और स्वच्छता प्रभारी का मोबाइल नंबर सार्वजनिक करें, ताकि नागरिक सीधे शिकायत दर्ज करा सकें। कार्यक्रम के दौरान बिजली कंपनी के डीई राजू भाभोरे ने शहरी चौपाल में ग्रामीण और किसानों से संबंधित योजनाओं की जानकारी देना शुरू कर दिया इस पर कलेक्टर ने उन्हें बीच में रोकते हुए कहा कि अधिकारियों को स्थान और जनता के अनुसार योजनाओं की जानकारी देनी चाहिए इसके बाद कलेक्टर ने स्वयं लोगों को बिजली कंपनी के संपर्क अभियान और सेवाओं के बारे में जानकारी दी। एसपी सांई कृष्णा एस थोटा ने चौपाल में पुलिस के नए नवाचार 'सजग प्रहरी' अभियान की जानकारी दी उन्होंने बताया कि यदि कोई परिवार घर में ताला लगाकर बाहर जाता है तो वह पुलिस के हेल्पलाइन नंबर 7701052434 पर सूचना दे सकता है इसके बाद पुलिस ऐसे मकानों की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाती है और गश्त के दौरान वहां विशेष निगरानी रखी जाती है एसपी ने साइबर फ्रॉड से बचाव के लिए लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि पीएम बीमा योजना, आरटीओ चालान या बिजली बिल के नाम पर आने वाली किसी भी संदिग्ध लिंक या एपीके फाइल को डाउनलोड न करें। साथ ही यूपीआई लेन-देन के लिए मुख्य सैलरी खाते की बजाय अलग बैंक खाते का उपयोग करने की सलाह दी।

## नर्मदापुरम में महिला टीचर से झपट्टा मारकर छीना बैग:सीसीटीवी कैमरे में कैद आरोपी

**मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)।** नर्मदापुरम के रसूलिया क्षेत्र में गीता भवन के पास एक महिला टीचर से चलती गाड़ी पर झपट्टा मारकर बैग छीनने की वारदात हुई। नकाबपोश बदमाश बाइक से आएं थे। जो बैग छीनकर तेज रफ्तार में भाग निकले। घटना शुक्रवार दोपहर 3.35 बजे की है। ब्रिज और रसूलिया क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरे में बदमाश कैद हुए। लेकिन 24 घंटे बाद भी पुलिस आरोपियों का पता नहीं लगा पाई। टीचर के बैग में 3 हजार रुपए नगद और सैमसंग कंपनी का मोबाइल रखा था। जानकारी के मुताबिक फरियादी अनीता पति राजेश (46) निवासी सांई हेवन सिटी डबल फाटक नर्मदापुरम है। शुक्रवार दोपहर करीब 3.35 बजे वो मार्केट से अपने घर लौट रही थी। तभी पीछे की तरफ से बाइक से नकाबपोश दो युवक आएं और चलती गाड़ी से टीचर के कंधे पर ढंगे पर झपट्टा मारा। महिला को धक्का दिया और बैग छीन लिया। महिला टीचर ने आवाज भी लगाई। लेकिन वो बदमाश बाइक की रफ्तार तेज कर दोनों ब्रिज की ओर भाग गए। जिसके बाद महिला टीचर ने देहात थाने से केस दर्ज कराया। देहात थाना प्रभारी सौरभ पांडे ने बताया अज्ञात दो बदमाश बैग छीनकर भागे है। सीसीटीवी कैमरे में आरोपी कैद हुए है। उनकी तलाश कर रहे है।

## 20 फीट ऊंचे पुल से गिरा बाइक सवार, मौतः सागर-गढ़ाकोटा मार्ग पर साजली पुल का मामला

**मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)।** सागर के सानौधा थाना क्षेत्र में साजली के पास बाइक सवार युवक पुल से नीचे गिर गया। दुर्घटना में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया है।दरअसल, शनिवार को पंकज पिता बालकिशन लड़िया उम्र 24 साल निवासी धर्मासागर अपने निजी काम से सागर से गढ़ाकोटा जा रहा था। वह बाइक क्रमांक एमपी 15 एमपी 9476 लेकर घर से निकला। तभी रास्ते में साजली पुल पर अचानक बाइक अनियंत्रित हुई और पुल से नीचे गिर गई। 20 फीट ऊंचे पुल से गिरने के कारण पंकज की मौके पर मौत हो गई। राहगीरों ने घटना देखी तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाया।मृतक की पहचान कर परिजन से संपर्क किया। परिजन मौके पर पहुंचे। परिजन की मौजूदगी में पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा है। मामले में सानौधा थाना पुलिस मामला दर्ज कर घटना के कारणों की जांच कर रही है। परिचितों ने बताया कि मृतक पंकज की शादी नहीं हुई थी। उनके पिता बालकिशन सागर एफएसएल में बाबू के पद पर पदस्थ हैं।

## सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के त्वरित निराकरण पर जोर

**मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)।** प्रभारी कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने जिले में सीएम हेल्पलाइन के लंबित आवेदनों की गहन समीक्षा करते हुए सभी विभागों के अधिकारियों को शिकायतों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए विशेष ध्यान दें, ताकि जिला एक ग्रेड सूची में शामिल होकर बेहतर रैंकिंग प्राप्त कर सके। बैठक में प्रभारी कलेक्टर डामोर ने विभागवार लंबित शिकायतों की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवेदनों के निराकरण में अनावश्यक विलंब न किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायतों का समाधान स्थानीय स्तर पर ही प्राथमिकता के साथ किया जाए, जिससे आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित हो सके।उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिकायतकर्ता से सतत संवाद बनाए रखते हुए समाधान की प्रयिा को पारदर्शी बनाया जाए। साथ ही निराकृत प्रकरणों में संतुष्टि स्तर बेहतर रखने के लिए गंभीरता से कार्य करने के निर्देश दिए गए।प्रभारी कलेक्टर ने जिले की मासिक ग्रेडिंग एवं रैंकिंग सुधारने के लिए विभागीय समन्वय, नियमित मॉनिटरिंग तथा जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन शासन की महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी व्यवस्था है, जिसके माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के साथ किया जाना आवश्यक है।कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

## अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल:खुरई-सागर नेशनल हाईवे पर हादसा, अस्पताल में एडमिट

**मीडिया ऑडीटर, बीना (निप्र)।** खुरई-सागर नेशनल हाईवे पर सिलोधा गांव के पास बीती रात एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। इस हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल सिविल अस्पताल खुरई में भर्ती कराया गया है।पुलिस के अनुसार, यह घटना तब हुई जब बाइक सवार युवक खुरई से सागर की ओर जा रहा था। सिलोधा गांव के पास किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है।प्रत्यक्षदर्शी हितेंद्र सिंह ने बताया कि वह खुरई से जरूआखेड़ा जा रहे थे, तभी उन्होंने सिलोधा गांव के पास एक युवक को घायल अवस्था में सड़क पर पड़ा देखा। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों की मदद से एम्बुलेंस बुलाकर घायल को अस्पताल पहुंचाया गया।

# खेत में घुसे तेंदुए ने 3 भाइयों पर किया हमला: खरगोन में कपास की बुआई की तैयारी कर रहे किसानों को सिर

**मीडिया ऑडीटर, झ्रखरगोन (निप्र)।** खरगोन जिले के गोगावा क्षेत्र के दसनावल गांव में शनिवार दोपहर तेंदुए के हमले से हड़कंप मच गया। खेत में कपास की बुआई की तैयारी कर रहे तीन किसान भाइयों पर तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया। हमले में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार जारी है। डॉक्टरों के मुताबिक तीनों की हालत फिलहाल खतरे से बाहर है।घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि तेंदुआ पिछले करीब 15 दिनों से क्षेत्र में घूम रहा था, लेकिन वन विभाग ने समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की।

**खेत में कचरा जलाते समय झाड़ियों से निकला तेंदुआ:** जानकारी के अनुसार, दसनावल गांव निवासी किसान भाई तेरसिंह डुडवे, गिरधर डुडवे और नरसिंह डुडवे शनिवार दोपहर अपने खेत में कपास की बुआई की तैयारी कर रहे थे। खेत में पड़े सूखे कचरे और झाड़ियों को जलाने का काम चल रहा था।

इसी दौरान खेत के पास मौजूद घनी झाड़ियों में छिपा तेंदुआ अचानक बाहर निकल आया। पहले उसने तेरसिंह पर झपट्टा मारा। तेंदुए के हमले से तेरसिंह जमीन पर गिर पड़े। भाई को बचाने पहुंचे गिरधर और नरसिंह पर भी तेंदुए ने हमला कर दिया।

**सिर, गले और सीने पर किए वार:** हमले में तीनों किसानों के सिर, गले, सीने और कमर पर गंभीर चोटें आई हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, तेंदुआ काफी देर तक आक्रामक बना रहा। किसानों की चीख-पुकार सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे लोग मौके की ओर दौड़े।करीब 50 से ज्यादा ग्रामीणों के एकत्र होने और शोर मचाने के बाद तेंदुआ झाड़ियों की ओर भाग गया। इसके बाद घायलों को तत्काल वाहन से अस्पताल पहुंचाया गया।

### गांव में फैली दहशत, खेतों में जाने से डर रहे लोग:

घटना के बाद दसनावल और आसपास के गांवों में भय का माहौल बन गया है। ग्रामीणों का कहना है कि अब महिलाएं और मजदूर खेतों में जाने से डर रहे हैं। कई किसानों ने अकेले खेत में काम करना बंद कर दिया है।

ग्रामीणों के मुताबिक, तेंदुआ पिछले 15 दिनों से क्षेत्र में लगातार दिखाई दे रहा था। इस दौरान वह कई बकरियों और कुत्तों का शिकार भी कर चुका है।

### वन विभाग पर लापरवाही के आरोप:

घायल किसानों और ग्रामीणों ने वन विभाग पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि कई बार विभाग को सूचना देने के बावजूद तेंदुए को पकड़ने के लिए न तो पिंजरा लगाया गया और न ही गश्त बढ़ाई गई। ग्रामीणों ने कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई की जाती।

## छतरपुर में कार-बाइक भिड़ंत, कार में लगी आग:बाइक सवार गंभीर घायल;

**मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)।** छतरपुर शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत सागर रोड पर शनिवार रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। मधुर मिलन गार्डन के सामने एक स्विफ्ट डिजायर कार और मोटरसाइकिल के बीच जोरदार टक्कर हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि हादसे के तुरंत बाद कार में आग लग गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।इस हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और राहत टीम को सूचना दी।

**वाहन का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया:** सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के साथ-साथ घायल को अस्पताल पहुंचाने की कार्रवाई शुरू की। कार में लगी आग से वाहन का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

## रायसेन की अमरावत घाटी में बाइक बचाने में पलटा कंटेनर पेड़ से टकराकर सड़क किनारे पलटा वाहन

**मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)।** रायसेन के अमरावत घाटी पर शनिवार दोपहर एक कंटेनर बाइक को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में कंटेनर चालक केबिन में फंस गया, जिसे स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सुरक्षित बाहर निकाला गया। जानकारी के अनुसार, कंटेनर क्रमांक ऋ्छ 14 त्र 3067 सागर रोड से रायसेन की ओर आ रहा था। अमरावत घाटी के पास सामने से आई एक मोटरसाइकिल को बचाने के प्रयास में चालक ने कंटेनर मोड़ा। इससे वाहन अनियंत्रित हो गया। झकंटेनर सड़क

किनारे नीचे उतर गया और एक पेड़ से टकराते हुए पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। कंटेनर के नीचे पेड़ दब गया, जबकि चालक केबिन में फंस गया था।

**ड्राइवर को पुलिस ने बाहर निकाला:** घटना क्षेत्र थाना कोतवाली रायसेन अंतर्गत था, लेकिन सूचना मिलते ही देवनगर थाना प्रभारी हरिओम आस्तया करीब 20 किलोमीटर दूर घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने तत्परता दिखाते हुए स्थानीय लोगों की मदद से ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकाला। ड्राइवर को चौकी मोबाइल नकतरा की सहायता से जिला अस्पताल रायसेन पहुंचाया गया। थाना प्रभारी हरिओम आस्तया ने बताया कि चालक को मामूली चोटें आई हैं और उसकी हालत खतरे से बाहर है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बाइक को बचाने के प्रयास में कंटेनर अनियंत्रित होकर पलटा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## सफलता की प्रेरक कहानी - अंतरवर्तीय खेती से बढ़ी आय, किसान बना मिसाल

**मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)।** प्रगतिशील कृषक संग्राम सिंह दांगी ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि यदि किसान वैज्ञानिक सलाह और नई तकनीकों को अपनाए, तो सीमित संसाधनों में भी उत्कृष्ट उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। वैज्ञानिक सोच के साथ खेती की तैयारीदांगी ने फसल लगाने से पहले अपने खेत में नरवाई प्रबंधन अपनाया और फसल अवशेषों को जलाने के बजाय मिट्टी में ही मिला दिया। इससे खेत में जैविक पदार्थ और कार्बन की मात्रा बढ़ी, जो मिट्टी की उर्वरता के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। अंतरवर्तीय फसल प्रणाली का सफल प्रयोग आत्मा परियोजना के अंतर्गत फ्रंट लाइन डेमोंस्ट्रेशन में उन्होंने 1 एकड़ क्षेत्र में मसूर और अलसी की अंतरवर्तीय फसल लगाई। जिसमें मसूर बीज- 20 किलो और अलसी बीज - 2.5 किलो शामिल रहा। इस आधुनिक पद्धति से उन्होंने भूमि का बेहतर उपयोग किया और जोखिम को भी कम किया।उत्पादन और परिणाम दृ उम्मीद से बढ़कर सफलताइस प्रयोग से उन्हें शानदार उत्पादन प्राप्त हुआ। यह उत्पादन न केवल आर्थिक दृष्टि से लाभकारी रहा, बल्कि अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणादायक उदाहरण बन गया।तकनीकी मार्गदर्शन - सफलता की असली कुंजीदांगी बताते हैं कि बीज बुवाई से लेकर कटाई तक उन्हें कृषि विभाग, आत्मा परियोजना के अंतर्गत मार्गदर्शन में निरंतर तकनीकी सहायता प्राप्त हुई। उन्होंने कहा कि ÷आत्मा परियोजना से उन्हें निरंतर नई जानकारी मिलती है, जिसे वह अपने खेत में अपनाकर बेहतर परिणाम प्राप्त कर रहे हैं। समेकित पोषक तत्व प्रबंधन (आईएनएम) से बढ़ी मिट्टी की सेहत- दांगी ने एकीकृत पोषक तत्व प्रबंधन अपनाते हुए जैविक और अजैविक दोनों विधियों का संतुलित उपयोग किया।

जिससे मिट्टी की उर्वरता बढ़ी, उत्पादन में कमी नहीं आई, फसल की गुणवत्ता में सुधार हुआ।अब प्राकृतिक खेती की ओर कदम - कि कृषक दांगी बताते हैं कि नरवाई प्रबंधन और आईएनएम अपनाने से उनके खेत में कार्बन की मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस सकारात्मक बदलाव को देखते हुए अब वे अपने खेत में पूरी तरह प्राकृतिक खेती अपनाने का निर्णय ले चुके हैं। उनके प्रेरणादायक विचार हैं कि ÷जो किसान सीखता है, वही आगे बढ़ता है।÷ ÷मिट्टी की सेहत ही किसान की असली संपत्ति है।

## सीहोर में पारा 44.2 डिग्री सेल्सियस पहुंचा: राजस्थान से आ रहीं गर्म हवाओं के कारण सड़कें सूनी

**मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)।** सीहोर जिले में मई के तीसरे सप्ताह में भीषण गर्मी का दौर जारी है। पिछले 24 घंटों में जिले का अधिकतम तापमान 44.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, राजस्थान की ओर से आ रही गर्म हवाओं के कारण सीहोर में तापमान सामान्य से 2-3 डिग्री सेल्सियस अधिक बना हुआ है। लगातार चल रही गर्म हवाओं और लू के चलते जनजीवन प्रभावित हुआ है और दिन के समय सड़कें पूरी तरह सूनी नजर आ रही हैं।तेज धूप और लू के कारण सुबह 11 बजे के बाद से ही बाजारों में सन्नाटा छा जाता है। अत्यधिक तापमान के कारण अस्पतालों में डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक और अन्य मौसमी बीमारियों के मरीजों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों और डॉक्टरों ने आम लोगों को दोपहर के समय अति आवश्यक कार्य न होने पर घरों से बाहर न निकलने की सलाह दी है।

अगले 4-5 दिन तक तापमान में होगी और वृद्धिविभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, सीहोर में अगले 4-5 दिनों तक भीषण गर्मी से राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। इस दौरान तापमान में 1-2 डिग्री सेल्सियस की और वृद्धि हो सकती है। जून के दूसरे पखवाड़े में बंगाल की खाड़ी में बनने वाले चक्रवात और प्री-मानसून गतिविधियों की सक्रियता के बाद ही गर्मी से कुछ राहत मिलने की संभावना है।

**समय से पहले सक्रिय हो सकता है मानसून:** इस भीषण गर्मी के बीच मौसम विभाग ने मानसून के समय से पहले आने का अनुमान जताया है। दक्षिण-पश्चिम मानसून के 16 मई के आसपास अंडमान सागर और बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में पहुंचने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन रही हैं।

## कृषि वर्ष 2026 के तहत जिले में निकलेगा कृषि रथ

### किसानों को मिलेगी आधुनिक कृषि तकनीक, योजनाओं और वैज्ञानिक खेती की जानकारी

**मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)।** मध्यप्रदेश शासन के किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा वर्ष 2026 को 'कृषि वर्ष' के रूप में मनाए जाने के निर्णय के तहत जिले में व्यापक स्तर पर कृषि जागरूकता अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। मंत्रालय भोपाल से जारी निर्देशों के अनुपालन में खरीफ फसलों की बुवाई से एक माह पूर्व प्रत्येक विकासखंड में 'कृषि रथ' संचालित किया जाएगा। इसका उद्देश्य किसानों एवं कृषि वैज्ञानिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित कर कृषकों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती की नवीन तकनीकों से अवगत कराना है।कृषि रथ के माध्यम से कृषि, कृषि अभियांत्रिकी, पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य पालन सहित विभिन्न विभागों की योजनाओं और गतिविधियों का एकीकृत प्रचार-प्रसार किया जाएगा। रथ के साथ तकनीकी दल गांव-गांव पहुंचकर किसानों की समस्याओं का समाधान करेंगे तथा योजनाओं की जानकारी देंगे।

**कृषि रथ के प्रमुख उद्देश्य:** कृषि रथ अभियान के अंतर्गत किसानों को ई-विकास प्रणाली के तहत ई-टोकन उर्वरक वितरण व्यवस्था एवं उर्वरकों के संतुलित उपयोग की जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने, जैविक एवं प्राकृतिक खेती के विस्तार, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के प्रचार-प्रसार तथा एकीकृत पोषक तत्व, कीट एवं रोग प्रबंधन की जानकारी भी प्रदान की जाएगी।

अभियान में प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना, पराली प्रबंधन, कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के उपाय तथा कृषि अभियांत्रिकी के माध्यम से खरीफ पूर्व खेतों के समतलीकरण जैसे विषयों पर विशेष जोर रहेगा।

**विभिन्न विभागों का रहेगा समन्वय:** कृषि रथ के साथ कृषि विभाग, पशुपालन, उद्यानिकी, मत्स्य विभाग, कृषि महाविद्यालय, आत्मा परियोजना, पंचायत विभाग सहित जल संसाधन, राजस्व, मंडी, महिला एवं बाल विकास, वन, स्वास्थ्य एवं विद्युत विभाग के मैदानी अधिकारी भी शामिल रहेंगे। ये अधिकारी किसानों को अपने विभागों की योजनाओं की जानकारी देंगे तथा समस्याओं एवं शिकायतों के निराकरण की प्रक्रिया से अवगत कराएंगे।

जिला स्तर पर कार्यक्रम की निगरानी एवं समन्वय की जिम्मेदारी उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग को सौंपी गई है। संपूर्ण कार्यक्रम के जिला स्तरीय नोडल अधिकारी आर.जी. रजक, सहायक संचालक कृषि, विदिशा नियुक्त किए गए हैं। वे प्रतिदिन की गतिविधियों से जिला कलेक्टर एवं संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग भोपाल को अवगत कराएंगे।

**ग्राम स्तर पर होगा व्यापक प्रचार-प्रसार:** निर्देशों के अनुसार कृषि रथ जिन गांवों में पहुंचेगा वहां 3 से 4 दिन पूर्व व्यापक प्रचार-प्रसार एवं वातावरण निर्माण किया जाएगा। प्रत्येक तकनीकी दल में कृषि महाविद्यालय गंजबासौदा के विशेषज्ञ को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाएगा। साथ ही प्रत्येक ग्राम से एक प्रगतिशील कृषक को भी अभियान से जोड़ा जाएगा ताकि वे अपने अनुभव अन्य किसानों के साथ साझा कर सकें।

कार्यक्रम की दैनिक ऑनलाइन मॉनिटरिंग विकासखंड स्तर पर बीटीएम एवं एसएडीओ द्वारा तथा जिला स्तर पर आत्मा कार्यालय द्वारा की जाएगी। वहीं कृषि रथ अभियान के मास मीडिया प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी जिला जनसंपर्क अधिकारी को सौंपी गई है, जो दैनिक प्रगति समाचारों को इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया के माध्यम से प्रकाशित कराएंगे।विभाग द्वारा जारी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

## बुरहानपुर में अवैध हथियार तस्करी का नेटवर्क उजागरखकनार पुलिस ने आरोपी से तीन देशी पिस्टल बरामद कीं

**मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)।** बुरहानपुर जिले की खकनार पुलिस ने शनिवार को अवैध हथियार तस्करी के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से तीन हस्तनिर्मित देशी पिस्टल जब्त की हैं। इस मामले में एक अन्य फरार आरोपी की तलाश जारी है।थाना प्रभारी अभिषेक जाधव को सूचना मिली थी कि आर्म्स एक्ट के एक मामले में फरार आरोपी ईडा खकनार क्षेत्र में सक्रिय है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस बल ने इंडिया उर्फ ईडा अमरसिंग (28), निवासी पाचौरी को गिरफ्तार किया।पूछताछ के दौरान आरोपी ने खुलासा किया कि 8 मई 2026 को ग्राम पाचौरी निवासी हरदीप पिता तेहरसिंग ने उसे 10 पिस्टल और 2 मैगजीन दी थीं। आरोपी के अनुसार, उसने इनमें से 7 पिस्टल और 2 मैगजीन रणजीत को दे दी थीं, जबकि शेष 3 पिस्टल साईं मंदिर के पीछे जंगल में छिपा रखी थीं। पुलिस ने आरोपी द्वारा बताए गए स्थान से पंचों के समक्ष तीनों हस्तनिर्मित देशी पिस्टल जब्त कर लीं। मुख्य आरोपी हरदीप पिता तेहरसिंग की तलाश जारी है।

# थाईलैंड ओपन 2026: सात्विक-चिराग की जोड़ी ने कटाया फाइनल का टिकट

**पटुमवान (थाईलैंड) , एजेंसी ।** भारत की टॉप पुरुष डबल्स जोड़ी सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने थाईलैंड ओपन सुपर 500 के फाइनल में अपनी जगह बना ली है। सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने मलेशिया के गोह सेफेई और नूरइजुद्दीन को हराकर 2026 सीजन के अपने पहले फाइनल का टिकट कटाया। टूर्नामेंट में पहली वरीयता प्राप्त वाली दुनिया की नंबर 4 भारतीय जोड़ी ने सेमीफाइनल मुकाबले को 19-21, 22-20, 21-16 से जीता। यह मुकाबला एक घंटे 22 मिनट तक चला। इस जीत के साथ ही मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ सात्विक और चिराग की जोड़ी का रिकॉर्ड अब 8-2 हो गया है। पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन के पहले ही टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद सात्विक और चिराग ने बैंकॉक में भारत की उम्मीदों को आगे बढ़ाया और सेमीफाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन

किया। भारतीय जोड़ी का लक्ष्य 2024 में थाईलैंड ओपन जीतने के बाद अपना पहला खिताब और 2025 में चाइना मास्टर्स के बाद अपना पहला फाइनल खेलना था। मलेशियाई जोड़ी ने दमदार आगाज किया और वह शुरुआत में 3-1 से आगे चल रहे थे। हालांकि, जल्द ही सात्विक और चिराग ने वापसी की और स्कोर को 7-7 से बराबर कर दिया। हालांकि, गोह और इजुद्दीन की जोड़ी ने एक बार फिर बढ़त हासिल की। मलेशियाई जोड़ी ने इंटरवल तक तीन पॉइंट की बढ़त बनाई और बाद में स्कोर को 18-12 कर दिया। हालांकि, इसके बाद सात्विक और चिराग ने शानदार वापसी की। उन्होंने लगातार चार पॉइंट अर्जित किए।

हर बार जब भारतीय जोड़ी ने अंतर कम किया, तो मलेशियाई टीम ने अपनी पकड़ बनाए रखी और आखिरकार पहला गेम 21-19 से जीत लिया। दूसरा गेम और भी ज्यादा नाटकीय था। दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, लेकिन सात्विक और चिराग ने पहले गेम के मुकाबले ज्यादा आत्मविश्वास और संयम दिखाया। उन्होंने अपनी बातचीत की दिक्कतों को सुलझाया और चार पॉइंट की बढ़त बनाकर ब्रेक तक 11-9 से आगे हो गए। ब्रेक के बाद गोह और इजुद्दीन ने वापसी की और कुछ देर के लिए कंट्रोल वापस पा लिया। हालांकि, भारतीय जोड़ी ने आामक खेल दिखाया और गेम के आखिर में तीन पॉइंट की बढ़त बना ली।

जब ऐसा लग रहा था कि सात्विक और चिराग आराम से जीत जाएंगे, तभी मलेशियाई टीम ने दो गेम पॉइंट बचाकर स्कोर 20-20 से बराबर कर दिया, जिससे दोनों टीमों के बीच पहला अतिरिक्त-पॉइंट्स का स्कोर बना। इसके बाद टूर्नामेंट की सबसे अच्छी रैलियों में से एक हुई, जिसमें जबरदस्त डिफेंस, तेज नेट एक्सचेंज और लगातार अटैक हुए। सात्विक ने आखिरकार मलेशियाई टीम की पहुंच से बाहर एकदम सही जगह पर शॉट मारकर जरूरी पॉइंट बनाया और भारतीयों ने दूसरा गेम 22-20 से जीत लिया।

## आईपीएल के बीच हार्दिक पांड्या की दूसरी शादी की चर्चा तेज

### महिका शर्मा संग रिश्ते को लेकर बढ़ी हलचल

**नई दिल्ली ,एजेंसी ।** इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के बीच भारतीय किटर हार्दिक पांड्या एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। सोशल मीडिया और मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि हार्दिक पांड्या जल्द ही दूसरी शादी कर सकते हैं। खबरों के अनुसार हार्दिक इन दिनों मॉडल और अभिनेत्री महिका शर्मा को डेट कर रहे हैं और दोनों को कई मौकों पर साथ देखा गया है। वायरल पोस्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि दोनों 22 मई को एक निजी समारोह में शादी के बंधन में बंध सकते हैं। हालांकि अभी तक इस संबंध में हार्दिक पांड्या या महिका शर्मा की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। हार्दिक पांड्या ने पहली शादी अभिनेत्री नताशा स्टेनकोविक से 31 मई 2020 को लॉकडाउन के दौरान की थी। दोनों की शादी शुरुआत में काफी चर्चा में रही, लेकिन यह रिश्ता ज्यादा लंबा नहीं चल पाया। करीब चार साल बाद जुलाई 2024 में दोनों ने अलग होने का फैसला लिया। तलाक के बाद भी दोनों अपने बेटे अगस्त्य पांड्या की परवरिश मिलकर कर रहे हैं। हार्दिक और नताशा अक्सर बेटे के साथ तस्वीरें साझा करते रहते हैं।

तलाक के बाद हार्दिक पांड्या का नाम कई महिलाओं के साथ जोड़ा गया, लेकिन अब महिका शर्मा के साथ उनके रिश्ते की खबरें सबसे ज्यादा चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर दोनों को लेकर लगातार अटकलें लगाई जा रही हैं। दूसरी ओर हार्दिक पांड्या का आईपीएल 2026 में प्रदर्शन और कप्तानी भी सवालों के घेरे में है। वह इस सीजन मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे हैं, लेकिन टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। लगातार दूसरे सीजन में मुंबई इंडियंस प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। हार्दिक पिछले दो मुकाबलों में चोट के कारण मैदान पर नहीं उतर पाए थे, हालांकि उम्मीद जताई जा रही है कि वह कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबले में वापसी कर सकते हैं। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया जा रहा है कि आईपीएल 2026 के बाद मुंबई इंडियंस टीम प्रबंधन बड़ा फैसला ले सकता है। माना जा रहा है कि हार्दिक से कप्तानी छीनी जा सकती है और टीम में उनकी जगह को लेकर भी चर्चा चल रही है।

## एलिना स्वितोलिना बनीं इटालियन ओपन विजेता, 8 साल बाद जीता कोई बड़ा खिताब

**रोम,एजेंसी।** एलिना स्वितोलिना ने तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में कोको गॉफ को हराकर तीसरी बार इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट का खिताब जीता।स्वितोलिना ने लगभग तीन घंटे तक चले मैच में गॉफ को 6-4, 6-7 (3), 6-2 से हराया। यह 2018 में इटालियन ओपन जीतने के बाद उनका पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब है। यूेन की इस खिलाड़ी ने 2017 में भी यहां खिताब जीता था।

**एलिना स्वितोलिना ने दमदार खेल दिखाया:** पहले सेट में एक समय कोको गॉफ 4-2 से आगे चल रही थीं। इसके बाद शानदार वापसी करते हुए स्वितोलिना ने सेट को अपने नाम किया। दूसरे सेट को अमेरिकी खिलाड़ी ने टाई ब्रेकर में अपने नाम किया। तीसरे सेट में अनुभवी स्वितोलिना ने गॉफ को कोई मौका नहीं दिया और मैच को अपने नाम कर लिया। गॉफ के खिलाफ विश्व नंबर-10 एलिना स्वितोलिना ने लगातार तीसरा मुकाबला जीता है।

अमेरिकी खिलाड़ी गॉफ लगातार दूसरे साल फाइनल की बाधा पार नहीं कर पाई। वह पिछले साल जैस्मीन पाओलिनी से हार गई, लेकिन बाद में उन्होंने फ्रेंच ओपन जीता था। एलिना स्वितोलिना ने अपने करियर का 20वां खिताब जीतने के बाद कहा, 'यह विश्वास करना बहुत मुश्किल है कि आठ साल हो गए जब मैंने इससे पहले यहां ट्रॉफी जीती थी। मैं निश्चित रूप से यहां बिताए दो सप्ताह से बहुत खुश हूं।'

**पुरुष फाइन में सिनर के सामने रूड:** पुरुष वर्ग के फाइनल में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर का सामना कैस्पर रूड से होगा।

## बुमराह की कप्तानी में मुंबई इंडियंस की बदली तस्वीर : कृष्णामाचारी श्रीकांत

**नई दिल्ली ,एजेंसी ।** आईपीएल 2026 में प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी मुंबई इंडियंस को लेकर पूर्व भारतीय किटर कृष्णमाचारी श्रीकांत ने बड़ा बयान दिया है। श्रीकांत का कहना है कि जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में टीम का माहौल और प्रदर्शन दोनों बदले हुए नजर आए और खिलाड़ी ज्यादा एकजुट दिखाई दिए। इस सीजन मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा था।

टीम की कप्तानी कभी हार्दिक पांड्या तो कभी सूर्यकुमार यादव के हाथों में रही, लेकिन लगातार अस्थिरता के कारण टीम लय नहीं पकड़ सकी। हालांकि पंजाब किंग्स के खिलाफ जब टीम की कमान जसप्रीत बुमराह ने संभाली, तो टीम का रवैया पूरी तरह अलग नजर आया। 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य श्रीकांत ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि बुमराह को कप्तानी देना एक सही फैसला साबित हुआ। उनके अनुसार मैच के दौरान खिलाड़ियों का मूड हल्का था और टीम में नई ऊर्जा दिखी। उन्होंने कहा कि भले ही सूर्यकुमार यादव उस मुकाबले में निजी कारणों से नहीं खेले, लेकिन मैदान पर उतरी टीम पहले से ज्यादा संतुलित और आत्मविश्वासी नजर आई।

### टीम ज्यादा एकजुट दिखी

श्रीकांत ने युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन की भी तारीफ की। उन्होंने दीपक चाहर, राज अंगद बावा, तिलक वर्मा और रयान रिकेल्टन के योगदान को अहम बताया। खासतौर पर रयान रिकेल्टन की आामक शुरुआत और तिलक वर्मा की जिम्मेदार बल्लेबाजी ने टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया।

उन्होंने यह भी कहा कि बुमराह कप्तानी करते समय बेहद शांत और मुस्कुराते हुए नजर आए, जिसका सकारात्मक असर गेंदबाजों पर पड़ा। उनके अनुसार बुमराह ने गेंदबाजों को आत्मविश्वास दिया, जिससे दीपक चाहर और शार्दुल ठाकुर जैसे गेंदबाज ज्यादा अनुशासित नजर आए और रन लुटाने से बचे। मुंबई इंडियंस ने इस मुकाबले में 200 से ज्यादा रनों का लक्ष्य हासिल कर शानदार जीत दर्ज की। हालांकि यह जीत टीम के प्लेऑफ में पहुंचने के लिए काफी नहीं थी, लेकिन इसने पंजाब किंग्स की मुश्किलें जरूर बढ़ा दीं। यह पंजाब की लगातार पांचवीं हार रही, जिससे उनकी प्लेऑफ की राह और कठिन हो गई है। श्रीकांत के इस बयान के बाद मुंबई इंडियंस के टीम संयोजन और कप्तानी रणनीति को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है।

## अफगानिस्तान सीरीज के लिए ईशान किशन की हो सकती हैं वापसी

### संजू सैमसन की जगह खतरे में

**नई दिल्ली ,एजेंसी ।** आईपीएल 2026 के समापन के तुरंत बाद भारतीय किट टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच 6 जून से न्यू चंडीगढ़ में शुरू होगा। इसके बाद 14 जून से वनडे सीरीज की शुरुआत होगी। पहला मुकाबला धर्मशाला में खेला जाएगा, दूसरा मैच 17 जून को लखनऊ में और तीसरा मुकाबला 20 जून को चेन्नई में आयोजित किया जाएगा। इस दौरे के लिए टीम चयन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं और विकेटकीपर बल्लेबाजों की दौड़ सबसे ज्यादा चर्चा में बनी हुई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम मैदान पर उतरेगी, जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। चयनकर्ताओं की पहली पसंद विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में केएल राहुल बताए जा रहे हैं। वहीं, बैकअप विकेटकीपर की भूमिका को लेकर बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। अब तक इस भूमिका में ऋषभ पंत को देखा जा रहा था, लेकिन खराब फॉर्म के कारण उनकी जगह ईशान किशन को मौका मिलने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने संजू सैमसन के लिए टीम में जगह बनाना मुश्किल माना जा रहा है। आईपीएल 2026 में भी संजू सैमसन ने कई अहम पारियां खेली हैं और वनडे किट में उनका रिकॉर्ड भी प्रभावशाली रहा है। इसके बावजूद चयनकर्ता उन्हें नजरअंदाज कर सकते हैं, जिससे किट प्रशंसकों के बीच हैरानी देखी जा रही है।

### सुपरस्टार बनने के लिए प्रदर्शन जरूरी

## गौतम गंभीर की सोच पर बोले राहुल द्रविड़

**नई दिल्ली ,एजेंसी ।** भारतीय किट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने टीम इंडिया में सुपरस्टार कल्चर को लेकर मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर के बयान पर अपनी प्रतियिा दी है। द्रविड़ का मानना है कि कोई भी खिलाड़ी बिना प्रदर्शन के सुपरस्टार नहीं बन सकता और भारत जैसे किट प्रेमी देश में पहचान हासिल करने के लिए लगातार अच्छा खेल दिखाना जरूरी होता है। दरअसल, टीम इंडिया के मुख्य कोच बनने के बाद गौतम गंभीर ने कहा था कि भारतीय टीम में व्यक्तिगत उपलब्धियों से ज्यादा टीम की जीत और ट्रॉफी को महत्व दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा था कि जब तक वह कोच हैं, तब तक टीम में सुपरस्टार संस्कृति को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। अब एक पॉडकास्ट में इस मुद्दे पर बात करते हुए राहुल द्रविड़ ने कहा कि हर खेल को अपने नायकों की जरूरत होती है। उनके अनुसार भारत में कोई भी खिलाड़ी सिर्फ लोकप्रियता के दम पर सुपरस्टार नहीं बनता, बल्कि उसके पीछे लगातार शानदार

प्रदर्शन और टीम की सफलता में योगदान होता है। द्रविड़ ने कहा कि भारत जैसे देश में खिलाड़ियों पर काफी दबाव और निगरानी रहती है, इसलिए यहां स्टार खिलाड़ी बनने का मतलब है कि उस खिलाड़ी ने लंबे समय तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। पूर्व कप्तान ने कहा कि भारतीय किट टीम पिछले कई वर्षो से लगातार दुनिया की शीर्ष टीमों में शामिल रही है। उन्होंने बताया कि भले ही 2011 विश्व कप के बाद कुछ समय तक टीम ज्यादा आईसीसी ट्रॉफियां नहीं जीत सकी, लेकिन भारतीय टीम लगातार बड़े टूर्नामेंटों के सेमीफाइनल और फाइनल तक पहुंचती रही। उनके मुताबिक अब भारतीय किट से लोगों की उम्मीदें काफी बढ़ चुकी हैं और हर मैच में टीम से जीत की अपेक्षा की जाती है।

## मैच फिक्सिंग के दौर में ऐसे संभाली थी टीम इंडिया

### सौरव गांगुली ने सुनाया मुश्किल दिनों का किस्सा

**नई दिल्ली ,एजेंसी ।** भारतीय किट के इतिहास में साल 2000 को सबसे चुनौतीपूर्ण दौरों में गिना जाता है। उस समय किट की दुनिया मैच फिक्सिंग के गंभीर आरोपों से घिरी हुई थी और खेल की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे थे। प्रशंसकों का भरोसा टूट चुका था और भारतीय किट मुश्किल दौर से गुजर रहा था। ऐसे समय में टीम इंडिया की कमान सौरव गांगुली के हाथों में आई। हाल ही में एक पॉडकास्ट में गांगुली ने उस दौर की यादें साझा करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने टीम को संभाला और भारतीय किट को फिर से नई दिशा देने का प्रयास किया। सौरव गांगुली ने बताया कि जब उन्हें कप्तानी सौंपी गई, तब उनकी उम्र केवल 27 साल थी। देशभर में मैच फिक्सिंग को लेकर हंगामा मचा हुआ था, लेकिन उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि यह सब किस तरह होता है। उन्होंने खुलासा किया कि उस समय वह अपने सीनियर खिलाड़ियों से अक्सर पूछा करते थे कि क्या वास्तव में किसी खिलाड़ी को फिक्सिंग के लिए संपर्क किया जाता है।

## आईपीएल में 'चिट सेलिब्रेशन' का नया ट्रेंड, खिलाड़ियों की अनोखी जश्न शैली ने खींचा ध्यान

**नई दिल्ली ,एजेंसी ।** इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में इन दिनों खिलाड़ियों के बीच एक नया और अनोखा जश्न मनाने का तरीका तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जिसे फैंस 'चिट सेलिब्रेशन' के नाम से जान रहे हैं। इस ट्रेंड में खिलाड़ी अर्धशतक, शतक या विकेट लेने के बाद अपनी जेब से एक छोटी पर्ची निकालते हैं और उसे कैमरों की ओर दिखाते हैं। शुरुआत में दर्शक इस संदेश को नहीं पढ़ पाते, लेकिन बाद में कैमरा क्लोजअप और सोशल मीडिया के जरिए इन चिट्स में लिखे संदेश वायरल हो जाते हैं। इस अनोखे अंदाज ने मैदान पर रोमांच के साथ-साथ नई चर्चा भी पैदा कर दी है। 15 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेले गए मुकाबले में भी यह ट्रेंड देखने को मिला। लखनऊ के गेंदबाज आकाश सिंह ने चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को आउट करने के बाद पहली बार इस तरह का इशारा किया।

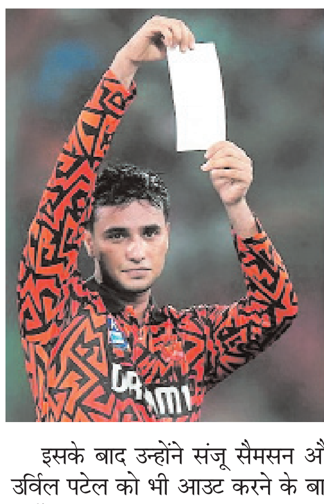

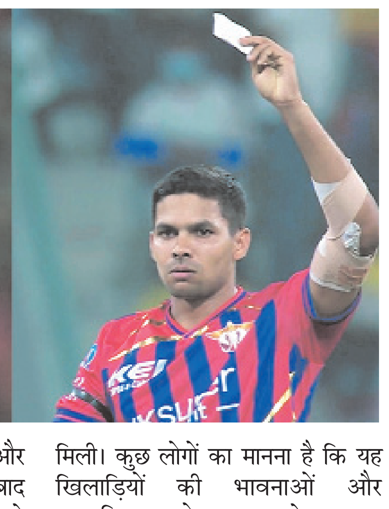

इसके बाद उन्होंने संजू सैमसन और उर्विल पटेल को भी आउट करने के बाद पर्ची निकालकर जश्न मनाया। इससे पहले भी इसी तरह के सेलिब्रेशन में उर्विल पटेल और मुंबई इंडियंस के रघु शर्मा का नाम सामने आ चुका है। मैच के बाद किट विशेषज्ञों के बीच इस नए ट्रेंड को लेकर अलग-अलग राय देखने को मिली। कुछ लोगों का मानना है कि यह खिलाड़ियों की भावनाओं और आत्मविश्वास को व्यक्त करने का एक नया तरीका है, जबकि कुछ इसे सिर्फ मनोरंजन का हिस्सा मान रहे हैं। लेकिन पूर्व भारतीय किटर अंबाती रायडू ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने खासतौर पर आकाश सिंह के सेलिब्रेशन की आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह की चीजों को आईपीएल में जगह नहीं मिलनी चाहिए। आकाश सिंह की पर्ची पर लिखा संदेश भी चर्चा में रहा, जिसमें उनकी गेंदबाजी की तारीफ करते हुए आत्मविश्वास झलक रहा था। अंबाती रायडू ने एक स्पोर्ट्स शो में कहा कि यह तरीका भले ही कुछ लोगों को मजेदार लगे, लेकिन यह खेल की गंभीरता को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने यहां तक कहा कि इस तरह की पर्चियों पर प्रतिबंध लगना चाहिए, क्योंकि किट एक प्रोफेशनल खेल है और इसमें इस तरह के 'स्टंट' की जरूरत नहीं है।

हालांकि, कुछ युवा खिलाड़ी इस ट्रेंड को आधुनिक किट का हिस्सा मानते हैं और इसे अपनी व्यक्तिगत अभिव्यक्ति का माध्यम बताते हैं। सोशल मीडिया पर भी इस नए सेलिब्रेशन को लेकर लगातार बहस जारी है, जिससे साफ है कि यह ट्रेंड आने वाले समय में और ज्यादा चर्चा में रहने वाला है।

### चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अब हर मुकाबला फाइनल जैसा - माइकल हसी

## बल्लेबाजी कोच बोले- अभी उम्मीद बाकी है

**लखनऊ ,एजेंसी ।** इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स से मिली हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स की प्लेऑफ की राह मुश्किल जरूर हो गई है, लेकिन टीम ने अभी उम्मीद नहीं छोड़ी है। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी का कहना है कि अब टीम के लिए बचे हुए दोनों मुकाबले फाइनल जैसे हैं और खिलाड़ी इसी मानसिकता के साथ मैदान पर उतरेंगे। उनका मानना है कि आईपीएल का यही रोमांच इसे दुनिया की सबसे बड़ी किट लीग बनाता है। लखनऊ सुपर जायंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को सात विकेट से हराकर उसके समीकरण बिगाड़ दिए। पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने निर्धारित 20 ओवर में 187 रन बनाए थे। टीम की ओर से कार्तिक शर्मा ने शानदार 71 रन की पारी खेली, जबकि शिवम दुबे और डेवाल्ड ब्रेविस ने भी उपयोगी योगदान दिया। इसके जवाब में लखनऊ ने मिचेल

मार्श की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। मार्श ने सिर्फ 38 गेंदों में 90 रन ठोकते हुए मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। उनके अलावा जोश इंग्लिस और निकोलस पूरन ने भी तेज बल्लेबाजी की।इस हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के 12 मैचों में 12 अंक रह गए हैं। अब टीम को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अपने बाकी दोनों मुकाबले जीतने होंगे। इसके साथ ही उसे अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना पड़ेगा। माइकल हसी ने मैच के बाद कहा कि उन्होंने अंक तालिका का बहुत गहराई से अध्ययन नहीं किया है, लेकिन इतना साफ है कि शीर्ष चार स्थानों के लिए कई टीमें कड़ी टक्कर दे रही हैं। उन्होंने कहा कि टीम को फिलहाल सिर्फ अपने प्रदर्शन पर ध्यान देना चाहिए।माइकल हसी ने कहा कि टूर्नामेंट के अंतिम चरण में दबाव काफी बढ़ जाता है और इसी दौरान कई अप्रत्याशित परिणाम भी सामने आते हैं। उनके मुताबिक आईपीएल की यही सबसे बड़ी खासियत है कि आखिरी समय तक अधिकतर टीमें प्लेऑफ की दौड़ में बनी रहती हैं।

# जरियारी शराब कांड से मचा हड़कंप आबकारी के छापे में खुला खेल, अब पुलिस मुख्यालय पर सबसे बड़ा दबाव!

**NH किनारे चल रही अवैध शराब दुकान सील, 10 पेटी से ज्यादा शराब जब्त, अब सवाल क्या मैहर SP और संबंधित थाना प्रभारियों पर गिरेगी गाज**

**मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)।** जिले के देहात थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम जरियारी में कथित रूप से संचालित अवैध शराब दुकान पर हुई बड़ी कार्रवाई के बाद अब पूरा मामला पुलिस प्रशासन की जवाबदेही तक पहुंच गया है। नवागत कलेक्टर के निर्देश पर सतना और मैहर आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने दबिश देकर दुकान को सील किया और भारी मात्रा में शराब जब्त की। कार्रवाई के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि आखिर इतने लंबे समय से चल रहे इस कारोबार की जानकारी स्थानीय पुलिस को क्यों नहीं हुई अब लोगों की निगाहें सीधे पुलिस मुख्यालय पर टिक गई हैं कि क्या इस मामले में मैहर पुलिस अधीक्षक की जवाबदेही भी तय की जाएगी जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे संचालित इस कथित अवैध शराब दुकान को लेकर लंबे समय से शिकायतें सामने आ रही थीं। स्थानीय लोगों का आरोप था कि दुकान खुलेआम संचालित हो रही थी और देर रात तक शराब बिक्री की गतिविधियां जारी रहती थीं। इसके बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी। मामला तब और गंभीर हो गया जब सतना और मैहर आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने मौके से 10 पेटी से अधिक शराब जब्त करते हुए आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया कार्रवाई के बाद क्षेत्र में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। लोगों का कहना है कि यदि दुकान लंबे समय से संचालित हो रही थी तो संबंधित थाना और जिले के जिम्मेदार अधिकारियों को इसकी जानकारी जरूर रही होगी। ऐसे में अब सवाल केवल थाना स्तर तक सीमित नहीं है बल्कि जिले की संपूर्ण पुलिस निगरानी व्यवस्था पर भी उठ रहे हैं स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों का कहना है कि बिना संरक्षण के इस तरह का कारोबार लंबे समय तक चल पाना संभव नहीं है। लोगों की मांग है कि केवल शराब जब्त कर औपचारिक कार्रवाई न की जाए बल्कि यह भी जांच हो कि आखिर शिकायतों के बावजूद समय रहते प्रभावी कदम क्यों नहीं उठाए गए इसी बीच नादन थाना प्रभारी को पूर्व में हटाए जाने का मामला भी फिर चर्चाओं में आ गया है। क्षेत्रीय लोगों के बीच चर्चा है कि तत्कालीन थाना प्रभारी अवैध शराब कारोबार के खिलाफ सख्त रुख अपनाए हुए थीं। हालांकि इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई लेकिन जरियारी में हुई कार्रवाई ने पुराने सवालों को फिर जीवित कर दिया है अब जनता की उम्मीद पुलिस मुख्यालय और वरिष्ठ अधिकारियों से जुड़ गई है। लोग यह जानना चाहते हैं कि क्या इस पूरे मामले में मैहर पुलिस अधीक्षक की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा होगी क्या संबंधित थाना प्रभारियों और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी या फिर कार्रवाई केवल जब्ती और सीलिंग तक सीमित रह जाएगी रीवा रेंज में चल रहे नशा मुक्त समाज अभियान के बीच सामने आए इस मामले ने प्रशासनिक व्यवस्था की गंभीरता पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जवाबदेही तय नहीं हुई तो ऐसे अभियान केवल प्रचार तक सीमित रह जाएंगे फिलहाल जरियारी शराब कांड जिले में चर्चा का सबसे बड़ा विषय बना हुआ है अब देखना होगा कि पुलिस मुख्यालय इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या वास्तव में जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय कर बड़ा संदेश देने की कोशिश की जाती है।

## अनुसूचित जाति के व्यक्ति स्वरोजगार स्थापित करने हेतु आवेदन आमंत्रित

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** मध्यप्रदेश शासन द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के शिक्षित बेरोजगारों को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए संत रविदास स्व-रोजगार योजना एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना संचालित की जा रही है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति सतना ने बताया कि जिले के शिक्षित अनुसूचित जनजाति वर्ग के ऐसे बेरोजगार युवक एवं युवतियों के स्व-रोजगार के लिए म.प्र. राज्य सहकारी अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम द्वारा संत रविदास स्वरोजगार योजना प्रारंभ की गई है। जिसमें आवेदक को स्वरोजगार परियोजनाओं के लिये एक लाख रूपये से 50 लाख रूपये तक की उद्योग परियोजनाएँ जैसे एग्रो प्रोसेसिंग, फूड प्रोसेसिंग, कोल्ड स्टोरेज, मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना के लिये वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जायेगी। इसी प्रकार एक लाख रुपये से 25 लाख रुपये तक का खुदरा व्यवसाय जैसे ब्यूटी पार्लर, वाहन मरम्मत, फुटवेयर मरम्मत, किराना व्यवसाय, कपड़ा व्यवसाय की स्थापना के लिये वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। यह वित्तीय सहायता 5 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से अधिकतम 7 वर्षों तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर दी जायेगी एवं म.प्र. शासन द्वारा गारंटी फीस देय होगी। इस योजना अंतर्गत आवेदन करने के लिये आवेदक की आयु 18 वर्ष से 45 वर्ष तक होना आवश्यक है तथा शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 8वीं कक्षा उत्तीर्ण हो। आवेदक के परिवार की वार्षिक आय 12 लाख रूपये से अधिक न हो। उसे जिले का निवासी होना चाहिए एवं जाति, निवास प्रमाण पत्र सक्षम अधिकारी द्वारा जारी होना चाहिये। हितग्राही योजनांतर्गत ूेंउेंजण्उचवदसपदमण्हवअण्पद पोर्टल पर आवेदन कर सकते है इसी प्रकार डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना के अंतर्गत 10 हजार से एक लाख रुपये तक एवं 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान अधिकतम 5 वर्षों तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर देय होगा। योजना के लिए आवेदक जिला का मूल निवासी होना अनिवार्य होगा।

## मीजल्स प्रकोप पर डीआईओ को शोकॉज टीकाकरण में लापरवाही के आरोप, 24 घंटे में मांगा जवाब

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** सतना जिले में खसरा (मीजल्स) के संभावित प्रकोप और टीकाकरण की कमजोर स्थिति को गंभीरता से लेते हुए लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने शनिवार को जिला टीकाकरण अधिकारी (डीआईओ) डॉ. सुचित्रा अग्रवाल को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। स्वास्थ्य आयुक्त द्वारा जारी इस नोटिस में जिले में टीकाकरण कार्यक्रम के संचालन में लापरवाही के आरोप लगाए गए हैं नोटिस के अनुसार नागौद विकासखंड के सलैया और चकरगोहान गांवों के साथ-साथ मझगवां के पिंडरा और देवलहा गांव में खसरे के मामले सामने आए हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि जिले में कुल दो आउटब्रेक

और 34 लैब-कन्फर्म मीजल्स के मामले दर्ज किए गए हैं विभाग ने यह भी उल्लेख किया है कि अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक एमआर-1 टीकाकरण की उपलब्धि 76 प्रतिशत और एमआर-2 की उपलब्धि 75 प्रतिशत रही है। यह आंकड़ा निर्धारित लक्ष्य से काफी कम है जो टीकाकरण कार्यक्रम की कमजोर स्थिति को दर्शाता है नोटिस में यह भी कहा गया है कि पूर्व में भी वीडियो कॉन्फ्रेंस और पत्रों के माध्यम से स्थिति से अवगत कराया गया था, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। विभाग ने डॉ. अग्रवाल से 24 घंटे के भीतर जवाब मांगा है अन्यथा एकपक्षीय अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

## व्हाइट टाइगर सफारी डायरेक्टर के आवास पर बिजली चोरी पकड़ी विजिलेंस टीम ने की कार्रवाई, 45 हजार की रिकवरी निकाली

**मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)।** मैहर जिले में बिजली कंपनी की विजिलेंस टीम ने व्हाइट टाइगर सफारी के डायरेक्टर के सरकारी आवास पर बिजली चोरी पकड़ी है। शनिवार शाम को हुई इस जांच में सामने आया कि सीधे कटिया फंसाकर बिजली का इस्तेमाल किया जा रहा था कंपनी ने इस मामले में बिजली अधिनियम की धारा 135 के तहत केस दर्ज किया है और करीब 45 हजार की रिकवरी निकाली गई। ह कार्रवाई विजिलेंस जेई राजेश श्रीवास्तव की अगुवाई में की गई। टीम ने मुकुंदपुर में स्थित व्हाइट टाइगर सफारी के डायरेक्टर रामेश्वर टेकाम के सरकारी घर पर दबिश दी जांच के दौरान पाया गया कि वहां

बिना मीटर या बिना वैध तरीके के सीधे लाइन से बिजली जोड़ी गई थी। टीम ने मौके पर ही पंचनामा तैयार किया और बिजली चोरी का केस दर्ज कर लिया नियम तोड़ने वालों को नहीं बख्शेंगे बिजली कंपनी के अधिकारियों ने साफ कर दिया है कि सीधे लाइन से बिजली जोड़कर इस्तेमाल करना अवैध है कंपनी का कहना है कि उनका यह चेकिंग अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा और बिजली चोरी करने वाले चाहे कोई भी हों उन्हें बख्शा नहीं जाएगा विभागीय गलियारों में चर्चा का विषय आमतौर पर बिजली चोरी की कार्रवाई आम लोगों या छोटे उपभोक्ताओं पर देखी जाती है लेकिन एक वरिष्ठ वन अधिकारी और इतने बड़े पद पर बैठे व्यक्ति के घर चोरी पकड़े जाने से यह मामला पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गया है विजिलेंस की टीम अब इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई पूरी करने में जुटी है।

## भगवान बिरसा मुण्डा एवं टंटया मामा स्वरोजगार योजना हेतु आवेदन आमंत्रित

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** जिले के अनुसूचित जनजाति वर्ग के बेरोजगार सदस्यों के लिए स्वरोजगार के नए अवसर के लिए भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना एवं टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना संचालित की जा रही है जनजातीय कार्य विभाग द्वारा बताया गया कि टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना के अंतर्गत 10 हजार से एक लाख रुपये तक एवं 7 प्रतिशत ब्याज अनुदान 5 वर्ष तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर त्रैमासिक दिया जायेगा एवं गारंटी फीस म.प्र. शासन द्वारा देय होगी। स्वरोजगार योजना के लिए हितग्राही की आयु 18 से 55 वर्ष, आवेदक आयकर दाता न हो और आवेदक स्वयं किसी बैंक अथवा वित्तीय संस्था का डिफाल्टर न हो।इसी प्रकार भगवान बिरसा मुण्डा स्वरोजगार योजना के अंतर्गत एक लाख से 50 लाख रुपये तक की उद्योग परियोजना शामिल है। इसमें आवेदन की आयु 18 से 45 वर्ष, आवेदक 8वीं कक्षा उत्तीर्ण, परिवार की वार्षिक आय 12 लाख से अधिक न हो और आवेदक स्वयं किसी बैंक अथवा वित्तीय संस्था का डिफाल्टर न हो। ब्याज अनुदान अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को बैंक द्वारा वितरित, शेष ऋण पर 5 प्रतिशत की दर से ब्याज अनुदान अधिकतम 7 वर्षो तक नियमित रूप से ऋण भुगतान की शर्त पर दिया जायेगा एवं मप्र शासन द्वारा गारंटी फीस देय होगी। आवेदक द्वारा ूेंउेंजण्उचवदसपदमण्हवअण्पद पोर्टल से आवेदन किया जा सकता है।

## रैन बसेरा मेले को लेकर भड़के दिलीप दुबे स्थानीय व्यापारियों के हितों से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, वैकल्पिक स्थान की उठाई मांग

**मीडिया ऑडीटर, मैहर (निप्र)।** मैहर के रैन बसेरा परिसर में प्रस्तावित बाहरी मेले को लेकर विरोध तेज हो गया है। युवा शक्ति संगठन के अध्यक्ष दिलीप दुबे ने स्थानीय व्यापारियों के हितों का मुद्दा उठाते हुए प्रशासन और नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं दिलीप दुबे ने कहा कि नगर के प्रमुख और व्यस्त क्षेत्रों में लगातार बाहरी व्यापारियों को मेला लगाने की अनुमति दी जा रही है जिससे स्थानीय छोटे व्यापारियों का व्यवसाय प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि नगर के व्यापारी पूरे वर्ष टैक्स बिजली बिल और अन्य खर्चों का भार उठाकर अपना व्यापार संचालित करते हैं जबकि कुछ दिनों के लिए आने वाले बाहरी व्यापारी भारी कमाई कर वापस चले जाते हैं उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन स्थानीय व्यापारियों की समस्याओं और आर्थिक हितों की अनदेखी कर रहा है दुबे ने कहा कि रैन बसेरा परिसर पहले से ही संवेदनशील और भीड़भाड़ वाला क्षेत्र है जहां मेला लगने से यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है और आम नागरिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व में भी इसी स्थान पर मेला लगाने को लेकर विवाद की स्थिति बन चुकी है युवा शक्ति संगठन के अध्यक्ष ने प्रशासन से मांग की कि यदि मेला आयोजित करना

आवश्यक है तो इसके लिए किसी वैकल्पिक खुले स्थान का चयन किया जाए उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि संकुट तालाब क्षेत्र मेला आयोजन के लिए अधिक उपयुक्त हो सकता है जहां पर्याप्त खुला स्थान उपलब्ध है और यातायात व व्यापार पर भी कम प्रभाव पड़ेगा दिलीप दुबे ने कहा कि स्थानीय व्यापारियों के हितों की अनदेखी किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी उन्होंने प्रशासन से जल्द निर्णय लेकर स्थानीय व्यवसायियों और आम जनता की सुविधा को प्राथमिकता देने की अपील की मामले को लेकर नगर के व्यापारियों और आम नागरिकों के बीच भी चर्चा तेज हो गई है अब सभी की निगाहें प्रशासन के आगामी निर्णय पर टिकी हैं कि मेला रैन बसेरा परिसर में आयोजित होगा या इसके लिए कोई वैकल्पिक स्थान तय किया जाएगा।

## गेहूं उपार्जन ठप, बारदानों की कमी से किसान परेशान

**लगरगवां केंद्र पर 6 दिन से उपज बेचने का इंतजार कर रहे स्लॉट-टोकन एक्सपायर**

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन में बारदानों (खाली बोरियों) की कमी आड़े आ रही है कई खरीदी केंद्रों पर बारदाने नहीं होने से किसान अपनी उपज नहीं बेच पा रहे हैं आलम यह है कि किसानों के स्लॉट बुकिंग और टोकन की समय-सीमा भी निकल चुकी है शहर से लगे लगरगवां खरीदी केंद्र में पिछले छह दिनों से सैकड़ों किसान अपनी उपज लेकर बारदानों के आने का इंतजार कर रहे हैं इस वजह से उनकी गेहूं की फसल खुले में पड़ी है बांधी मौहार से गेहूं बेचने आए किसान धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि 11 मई से केंद्र में बारदानों का स्टॉक खत्म है। उनकी आधी ट्रॉली उपज तो तौल ली गई है लेकिन बारदाने नहीं होने के कारण आधी ट्रॉली अनाज अभी भी बचा हुआ है

उनके स्लॉट और टोकन की तारीख भी निकल चुकी है जिससे वे असमंजस में हैं बारी-बारी से उपज की रखवाली कर रहे गुड्डआ के किसान प्रवीण दहिया किराए के ट्रैक्टर-ट्रॉली में गेहूं लेकर केंद्र पहुंचे थे उनकी उपज केंद्र में पड़ी है लेकिन बारदाने नहीं होने से तौल नहीं हो पा रही है परिवार के सदस्य बारी-बारी से उपज की रखवाली कर रहे हैं किसानों ने बताया कि जब समिति प्रबंधक से बारदानों के बारे में जानकारी ली जाती है तो वे एक-दो दिन का हवाला देकर टाल देते हैं किसानों ने जिला प्रशासन से जल्द बारदानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की है ताकि खराब होते मौसम में उनकी मेहनत पर पानी न फिरे।

## संत महात्माओं के सानिध्य में प्रभात फेरी के साथ भक्ति अमृत महोत्सव का शुभारंभ

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** सिन्धी कॉलोनी स्थित श्री संतधाम में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक चेतना के वातावरण में भक्ति अमृत महोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर महंत स्वामी ईश्वरदास उदासीन जी के सानिध्य में प्रातः 6 बजे प्रभात फेरी निकाली गई प्रभात फेरी में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और भजन-कीर्तन करते हुए धर्म और संस्कृति का संदेश फैलाया। पूरे मार्ग में भक्तिमय वातावरण बना रहा, और श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया आश्रम के ओमप्रकाश उदासीन जी ने बताया कि महोत्सव का विधिवत उद्घाटन पूज्य महंत स्वामी खिम्यादास जी (राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय सिन्धी साधु समाज) महंत स्वामी ईश्वरदास उदासीन जी और सर्व ब्राह्मण समाज के सहयोग से किया

गया। दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत हुई संतों ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे आध्यात्मिक आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा, संस्कार और मानवता का संदेश फैलाते हैं उन्होंने लोगों से धर्म सेवा और सत्संग में जुड़ने का आह्वान किया आश्रम के सेवादारी विनोद गेलानी ने जानकारी दी कि 17 मई से 15 जून तक प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। महोत्सव के दौरान संत प्रवचन भजन संध्या सत्संग, यज्ञ और अन्य धार्मिक अनुष्ठान आयोजित होंगे जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होने की संभावना है शुभारंभ अवसर पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला आयोजन स्थल को आकर्षक सजावट और धार्मिक झांकियों से सजाया गया जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बन गया महंत जी ने शहर वासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्म लाभ लेने की अपील की।

## ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय मंच पर किया कमाल

**मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)।** दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में 13 से 15 मई तक आयोजित 12वीं राष्ट्रीय ओपन ताइक्वांडो प्रतियोगिता-2026 में सतना के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया इस प्रतियोगिता में देशभर से 1500 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और विभिन्न वर्गों में अपने कौशल का प्रदर्शन किया सतना मार्शल आर्ट एकेडमी के खिलाड़ी इस बार भी अपनी ताकत और मेहनत का लोहा मनवाने में सफल रहे प्रांशी कुशवाहा ने कैडेट वर्ग के 29 किलोग्राम से कम भार वर्ग में दमदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उनके इस शानदार प्रदर्शन ने पूरे जिले में उत्साह और गर्व का माहौल बना दिया इसी तरह स्नेहा पयासी मेघा सिंह और रिदम सोनी ने भी अपनी कड़ी मेहनत का फल पाया और रजत पदक जीतकर सतना का गौरव बढ़ाया इसके अतिरिक्त,

एकेडमी की छह अन्य खिलाड़ियों ने कांस्य पदक हासिल किया इनमें शामिल हैं: कीर्ति सोनी, अनुष्का मिश्रा, सौम्या सिंह, शुभी पाण्डेय, शिवानी मिश्रा और वेदांशिका चौहान सतना मार्शल आर्ट एकेडमी के कुल 12 खिलाड़ी इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए चुने गए थे। हालांकि पिछले वर्ष गोवा में नेशनल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीत चुके अध्ययन भारती को इस बार क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। वहीं, एमपी यूथ गेम्स के पूमसे स्वर्ण पदक विजेता कृष्णा कुशवाहा ने एकल पूमसे प्रतियोगिता में पांचवां स्थान हासिल किया जिला ताइक्वांडो संघ के सचिव और टीम कोच डॉ. संदीप भारती ने बताया कि प्रतियोगिता ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया और ओलंपिक संघ से मान्यता प्राप्त थी। सभी मुकाबले सेंसर आधारित प्रणाली पर आयोजित किए गए जिससे खिलाड़ियों की वास्तविक क्षमता और प्रदर्शन को सही तरीके से आंका जा सका प्रतियोगिता में सतना की टीम के शानदार योगदान और कोचिंग के लिए डॉ. संदीप भारती को दिल्ली ताइक्वांडो संघ द्वारा सम्मानित ट्रॉफी से नवाजा गया। डॉ. भारती ने इस अवसर पर कहा कि यह सफलता केवल खिलाड़ियों की मेहनत का परिणाम नहीं बल्कि सतना मार्शल आर्ट एकेडमी के समर्पित प्रशिक्षकों और परिवारों के सहयोग का भी प्रमाण है प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल अनुशासन और समर्पण से यह साबित किया कि सतना न केवल खेलों में प्रतिभाशाली है बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अपने दम पर पहचान बना सकता है जिले के खेल प्रेमियों और युवा खिलाड़ियों के लिए यह उपलब्धि एक प्रेरणा बन गई है सतना मार्शल आर्ट एकेडमी अब आगामी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी में जुट गई है और उम्मीद जताई जा रही है कि ये खिलाड़ी देश के लिए और अधिक पदक लेकर आएंगे सतना के युवा खिलाड़ी लगातार मेहनत और समर्पण के साथ खेलों में अपने जिले का नाम रोशन कर रहे हैं और उनका यह प्रदर्शन आने वाले समय में कई और उपलब्धियों की ओर इशारा करता है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आरएनआई नंएमपीएचआईएन/221/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन नं 947132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmailcom पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।